WEEKLY

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 04 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, बुधवार 05 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

राजस्थान में 2 करोड़ 55 लाख से अधिक लाभार्थियों को लगभग 2 लाख 18 हजार करोड़ रुपये का प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण स्वीकृत

जयपुर। राजस्थान में छोटी विनिर्माण इकाइयों-लघु उद्योगों से लेकर रेहड़ी-पटरी वालों के आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में योजना के माध्यम से अब तक 2 करोड़ 55 लाख से अधिक लाभार्थियों को संस्थागत वित्त पोषण प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत प्रदेश में 2 करोड़ 55 लाख 91 हजार 381 लाभार्थियों को 2 लाख 18 हजार 423 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। इसमें 1 करोड़ 54 लाख 15 हजार से अधिक महिलाओं को 67 हजार 982 करोड़ रुपये से अधिक का मुद्रा ऋण भी शामिल है। इस प्रकार लगभग 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ महिलाओं ने योजना में बढ़-चढ़कर भाग लिया और ऋण प्राप्त किया। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ही 23 लाख 74 से अधिक लाभार्थियों को 31 हजार 460 करोड़ रुपये का ऋण वितरित भी हो चुका है। केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में अतारांकित प्रश्न के जवाब में बताया कि देश के असंगठित क्षेत्र को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध करवाने में मुद्रा योजना ने उल्लेखनीय कार्य किया है। जून 2026 तक योजना के अन्तर्गत देशभर में 59 करोड़ 14 लाख से अधिक लोगों को 41 लाख 71 हजार करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है। उल्लेखनीय है कि गैर-कार्पोरेट, लघु उद्यमों को 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाने के लिए वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत की गई थी। इस योजना में लाभार्थी वित्तपोषण की जरूरतों के अनुरूप शिशु, किशोर, तरुण और तरूण प्लस वर्गों के लिए ऋण आवेदन कर सकता है। करोड़ों लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराते हुए यह योजना विश्व के सबसे बड़े बिजनेस इको सिस्टम में से एक बन चुकी है। योजना से विनिर्माण इकाइयां, दुकानदार, फल-सब्जी विक्रेता, ट्रक-टैक्सी ऑपरेटर, खाद्य-सेवा इकाइयां, मशीन ऑपरेटर, छोटे उद्योग, कारीगर, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता, रेहड़ी वालों को ऋण उपलब्ध करवाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। ऋण लेने वालों में अधिकांश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग हैं, जो गैर-औपचारिक उधारदाताओं जैसे साहूकारों या दोस्तों और रिश्तेदारों से ऋण प्राप्त करते हैं। ऐसे में मुद्रा योजना संस्थागत वित्त की पहुंच सुनिश्चित करने उनकी आर्थिक उन्नति का जरिया बन रही है। राज्य सरकार का कहना है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा मिलने के साथ नए उद्यमों की स्थापना और छोटे कारोबारों के विस्तार को भी गति मिली है।

बिना गारंटी ऋण की सुविधा मिलने से युवाओं, महिलाओं और प्रथम बार व्यवसाय शुरू करने वाले उद्यमियों का आत्मविश्वास बढ़ा है तथा उन्हें औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में भी सफलता मिली है।

विशेषज्ञों के अनुसार, योजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे छोटे कारोबारियों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों और सूक्ष्म उद्यमों को सुलभ वित्तीय सहायता उपलब्ध हो रही है। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होने के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिल रही है। महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी को भी योजना की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया जा रहा है। राज्य में विभिन्न बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रही है, ताकि स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके।

सरकार का मानना है कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आने वाले समय में भी पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने और सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को सशक्त बनाने के प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

योजना के तहत उपलब्ध कराए जा रहे ऋण का उपयोग लाभार्थी नए व्यवसाय शुरू करने, मौजूदा कारोबार का विस्तार करने, आधुनिक मशीनरी खरीदने, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता पूरी करने तथा रोजगार सृजन के लिए कर सकते हैं। इससे सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को वित्तीय मजबूती मिलने के साथ उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ी है।

पीएम सूर्य घर योजना से 50 लाख से अधिक परिवारों को मिला फायदा, लाखों घरों का बिजली बिल हुआ शून्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सरकार ने मंगलवार को बताया कि दुनिया के सबसे बड़े घरेलू रूफटॉप सोलर कार्यक्रम के तहत अब तक 50.06 लाख से अधिक परिवारों को लाभ मिल चुका है। योजना शुरू होने के महज 2 वर्षों के भीतर इस उपलब्धि को हासिल करना सरकार के स्वच्छ ऊर्जा मिशन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि यह प्रगति पिछले दशक की तुलना में कहीं अधिक तेज रही है। योजना शुरू होने से पहले पूरे दस वर्षों में जहां केवल 7.94 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन हुए थे, वहीं पीएम सूर्य घर योजना ने बेहद कम समय में इससे कई गुना अधिक परिवारों तक पहुंच बनाई है। सरकार ने बताया कि 75,021 करोड़ रुपए के बजट वाली यह योजना दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली स्वच्छ ऊर्जा पहलों में शामिल होती जा रही है। सरकार ने कहा कि योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में लगभग हर 6 दिन में एक लाख परिवार इस योजना से जुड़ रहे हैं। पिछले 9 महीनों में रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की रफ्तार भी तीन गुना से अधिक बढ़ी है। अक्टूबर 2025 में जहां प्रतिदिन औसतन 5,038 इंस्टॉलेशन हो रहे थे, वहीं जुलाई 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 16,328 इंस्टॉलेशन प्रतिदिन तक पहुंच गया।

पाकिस्तान का भारत-अफगानिस्तान के रिश्ते पर दिया विवादित बयान उनकी हताशा का प्रमाण

नई दिल्ली। भारत-अफगानिस्तान के बीच बढ़ते रिश्ते पाकिस्तान को रास नहीं आ रहे। हाल ही में पाक सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने इसे लेकर विवादित टिप्पणी की। भारत ने इसे पड़ोसी मुल्क की हताशा का प्रमाण बताया है। मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तानी प्रवक्ता की टिप्पणी भारत-अफगानिस्तान के सकारात्मक रिश्तों को लेकर पाकिस्तानी सरकार की असुरक्षा और हताशा को दिखाते हैं।' हाल ही में, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ रावलपिंडी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और अफगानिस्तान के बढ़ते रिश्तों पर ऐतराज जताया था। उन्होंने भारत और तालिबान के संबंधों को 'मालिक और गुलाम' जैसा बताया और धार्मिक आयतों का हवाला देते हुए भड़काऊ बयानबाजी की। उन्होंने अफगान मंत्री के उस बयान पर नाराजगी जताई जिसमें भारत और अफगानिस्तान के डीएनए को एक जैसा बताया गया था। पिछले कुछ महीनों में अफगानिस्तान और भारत के बीच रिश्ते थोड़े सहज हुए हैं। हाल ही में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के कृषि मंत्री मौलवी अताउल्लाह उमरी मंत्री ने भारत का दौरा भी किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि भारत और अफगानिस्तान के लोगों का डीएनए एक ही है। उन्होंने दोनों देशों के बीच पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के हवाले से ये बात कही थी।

उनके इसी बयान से पाकिस्तान भड़का हुआ है। उन्होंने तालिबान सरकार पर भारत के इशारों पर काम करने का आरोप लगाया था। प्रवक्ता ने तालिबान सरकार पर भी तीखे सवाल उठाते हुए कहा, 'यह सरकार महिलाओं और बच्चों पर अत्याचार कर रही है। बैठे-बैठे फतवे जारी कर रही है।'

बिहार को बेहतर नेतृत्व चाहिए, बांकीपुर का जनादेश यही संदेश देता है: प्रशांत किशोर

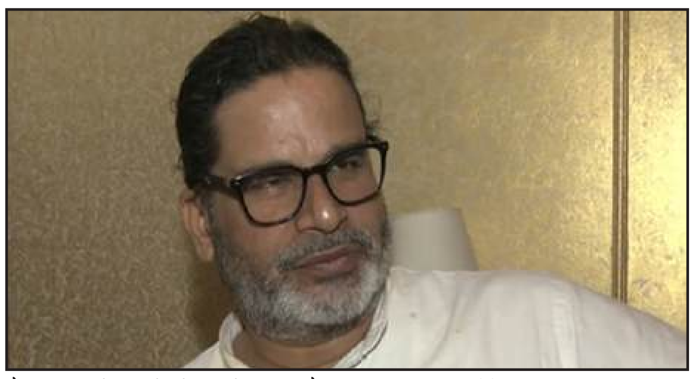

पटना। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव 19 हजार से ज्यादा वोटों से जीतने के बाद जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी व्यक्ति के विधायक बनने से बांकीपुर बेंगलुरु नहीं बनेगा। पटना में आईएएनएस से बातचीत में प्रशांत किशोर ने भविष्य की राजनीति, बांकीपुर विधानसभा का विकास सहित कई अहम मुद्दों पर विस्तार से बात की। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा, 'हमने एक बात कही है कि प्रशांत किशोर या किसी व्यक्ति के विधायक बनने से बांकीपुर बेंगलुरु नहीं बनेगा, लेकिन अगर यहां पर जनता ने अवसर दिया है, तो एक ब्लूप्रिंट बनाकर अगले 1-1.5 साल में जारी करेंगे कि बांकीपुर भी बेंगलुरु या बेंगलुरु जैसे बेहतर शहर जैसा कैसे बन सकता है। उसका ब्लूप्रिंट जारी करेंगे।' बांकीपुर चुनाव नतीजे पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'इस चुनाव में जीत से ज्यादा भाजपा की हार को देखना चाहिए। भाजपा के लोगों को, भाजपा के नेतृत्व को, यहां बिहार के लोगों ने बांकीपुर के मतदाता ने एक संदेश दिया है कि आपको बड़ी बहुमत से सरकार बनाने का अवसर दिया गया है। उस अवसर को गंवाइए मत। उस सरकार का नेतृत्व किसी गलत आदमी को मत दीजिए। एक अच्छे आदमी को बिहार में बैठाइए, ताकि बिहार में शिक्षा, रोजगार, पलायन की बात हो सके। बिहार में लोग तरक्की चाहते हैं। लगातार सिर्फ जंगलराज के नाम पर आप वोट मांगते रहे हैं। वोट आपको मिलता भी रहा है और उसी जंगलराज के किसी एक व्यक्ति को भगवा रंग ओढ़ाकर अगर आप कुर्सी पर बैठा देंगे, तो जनता को स्वीकार नहीं होगा। भविष्य की रणनीति पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'भविष्य की रणनीति वही है, जो तीन साल से कर रहे हैं, वही लगातार करते रहेंगे। अभी आश्रम जाएंगे, लोगों से मिलेंगे, गांव-गांव जाएंगे। लोगों को फिर समझाने का प्रयास करेंगे कि बांकीपुर की जनता समझ गई। बांकीपुर की जनता के जीवन में अगर सुधार कर पाएंगे तो लोगों को बताएंगे कि बांकीपुर में जो सुधार हो रहा है, वह आपके इलाके में भी हो सकता है।' उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पर कहा, 'बिल्कुल दिघा के बेटे हैं, लेकिन वो वोटर दिघा के हैं, बांकीपुर के नहीं। नितिन नवीन बिहार से हैं और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उस नाते मेरी शुभकामनाएं हैं। हम लोगों के लिए गौरव की बात है कि बिहार का कोई आदमी भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष है, लेकिन भाजपा के अध्यक्ष के तौर पर वो अच्छा काम करें, तब बेहतर माना जाएगा।' विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के राजनीतिक भविष्य पर उन्होंने कहा कि उनका भविष्य क्या है, सभी को मालूम है। वे विपक्ष के नेता हैं और लालू प्रसाद यादव के बेटे हैं। राजद बड़ा दल है, विपक्ष के नेता की भूमिका में हैं। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य का जिक्र करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वर्तमान में जो जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष हैं, इनको तो पार्टी से निकाल दिया गया था। नीतीश कुमार का स्वास्थ्य ठीक होता तो उनके इर्द-गिर्द जो लोग आज उनके नाम पर सत्ता की मलाई खा रहे हैं, ये लोग थोड़ी न होते।

'टीएमसी प्रतिनिधियों को मिल रही लगातार धमकियां' ममता बनर्जी ने भाजपा को इन मुद्दों पर घेरा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सियासत गरमाई हुई है। इस बीच राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी की एक तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लाइव आकर उन्होंने पार्टी सांसदों और विधायकों को मिल रही धमकियों और पेपर लीक मुद्दे पर हुए छात्र आंदोलन को लेकर भाजपा पर तंज कसा है। टीएमसी प्रमुख ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी के सांसदों और विधायकों को लगातार धमकियां मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें पुलिस बीजेपी में शामिल होने या फिर जेल जाने के लिए कह रही है। उन्होंने आगे दावा करते हुए कहा कि हजारों कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की गई और उन्हें जेल में डाल दिया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल को जेल में बदल दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल को जेल में बदल दिया है।

युद्ध में रूस के मददगार अहम ठिकानों पर यूक्रेन का हमला, कब्जे वाले इलाकों पर भी की कार्रवाई

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस में जारी तनातनी के बीच यूक्रेन रक्षा मंत्रालय ने सोमवार रात रूस के खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई का दावा किया। मंत्रालय ने बताया कि देश की सेना ने बीती रात यूक्रेन के अंदर रूस के कब्जे वाले इलाकों पर कार्रवाई को अंजाम दिया। साथ ही रूस के अंदर लंबी दूरी पर स्थित सैन्य ठिकानों पर भी निशाना साधते हुए हमले किए। यूक्रेन रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, ''रात भर में यूक्रेन की सेना के जवानों ने देश के अंदर कब्जे वाले इलाकों और रूस के अंदर मौजूद रूसी सैन्य ढांचों पर कई हमले किए।'' रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, खेरसॉन क्षेत्र के शचास्लीवत्सेवे में एफएसबी यूनिट का तैनाती केंद्र था, जिसको यूक्रेन की सेना के जवानों ने निशाना बनाकर कार्रवाई की। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा बलों ने जापोरिज्जिया क्षेत्र के स्विटलोडोलिंस्के के पास मोलोचना नदी पर रेलवे पुल।

श्रीराजपूत करणी सेना के प्रदर्शन में घायल युवक की मौत, 1 करोड़ मुआवजे की मांग

जयपुर। जयपुर में श्रीराजपूत करणी सेना के प्रदर्शन के दौरान घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान डीडवाना-कुचामन जिले के पलाड़ा निवासी *देवराज सिंह* के रूप में हुई है, जो वर्तमान में अपने परिवार के साथ जयपुर में रह रहे थे। सोमवार को यूजीसी रोल बैक और सवर्ण समाज की विभिन्न मांगों को लेकर निकाली गई रैली के दौरान कालवाड़ रोड पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव हुआ। इसी दौरान पुलिस द्वारा किए गए वाटर कैनन के इस्तेमाल के बीच देवराज सिंह की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें पहले निजी अस्पताल और बाद में एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीराजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने दावा किया कि वाटर कैनन की तेज बौछार युवक के सीने पर लगी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने मृतक के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे, दोषी अधिकारियों के निलंबन और न्यायिक कार्रवाई की मांग की। मकराना ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांगें पूरी नहीं करती है तो श्रीराजपूत करणी सेना जयपुर बंद, मुख्यमंत्री आवास का घेराव और प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। संगठन ने मृतक के परिवार को अपनी ओर से भी आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। फिलहाल प्रशासन की ओर से मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं और युवक की मौत के कारणों को लेकर आधिकारिक रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। विभिन्न सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। वहीं प्रशासन का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए थे। हालांकि युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रशासन ने कहा है कि उपलब्ध वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों का भी परीक्षण किया जा रहा है। उधर, प्रशासन ने लोगों से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया

नई दिल्ली। खेलों की दुनिया में भारत वैश्विक स्तर पर लगातार अपना दबदबा बना रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स में हमने भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन देखा ही है। इसके साथ ही निशानेबाजी, स्क्वैश और जूनियर खेलों में भी भारतीय एथलीटों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया में देश का नाम रौशन किया है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मंगलवार को दिल्ली में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाले युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया। डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह और कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष जूनियर टीम (आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह) को सम्मानित किया। 18 साल की अनाहत पिछले सप्ताह कनाडा में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप का महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इस प्रतियोगिता में यह उनकी पांचवीं भागीदारी थी और वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनका दूसरा पदक। उन्होंने पिछले साल काहिरा में कांस्य पदक जीता था। अनाहत को उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए, डॉ. मंडाविया ने कहा कि उनकी ऐतिहासिक जीत लाखों युवा भारतीयों को स्क्वैश खेलने के लिए प्रेरित करने वाली है।

संपादकीय

सहकारिता की आत्मा का हनन: राजस्थान में 'सहकारी स्टालिनवाद' और उर्वरक वितरण का महाघोटाला

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के 273 व्याख्याताओं को दी वेतन आहरण की दी स्वीकृति

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, बीकानेर ने विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को रिक्त पदों के विरुद्ध वेतन आहरित करने के लिए 273 व्याख्याताओं को स्वीकृति प्रदान की है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित कार्मिक निर्धारित अवधि तक वेतन प्राप्त कर सकेंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अवकाश स्वीकृति एवं उपस्थिति की जांच के बाद ही वेतन भुगतान किया जाएगा तथा वित्त विभाग के मकान किराया भत्ता और शहरी भत्ता संबंधी निर्देशों की पालना सुनिश्चित करनी होगी। निदेशालय ने संबंधित विद्यालयों को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम के संभावित अनूपगढ़ दौरे से प्रशासन अलर्ट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह बीकानेर में होने के चलते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 14 अगस्त को भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र अनूपगढ़ के संभावित दौरे की सूचना से प्रशासन सतर्क हो गया है। हालांकि अभी आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है, लेकिन तैयारियां तेज कर दी गई हैं। संभावित कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सीमा क्षेत्र की बीओपी का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले सकते हैं तथा बीएसएफ, पुलिस और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों के साथ तस्करी रोकथाम पर समीक्षा बैठक कर सकते हैं। सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों से संवाद की भी संभावना जताई जा रही है। श्री गंगानगर के जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव अनूपगढ़ पहुंचकर सुरक्षा, रूट प्लान और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं। अंतिम पुष्टि आधिकारिक कार्यक्रम जारी होने के बाद ही होगी। प्रशासन ने संभावित दौरे को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस, प्रशासन, चिकित्सा, सार्वजनिक निर्माण विभाग और अन्य एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का आकलन कर रही हैं, ताकि कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके। संभावित कार्यक्रम को देखते हुए प्रस्तावित रूट, सभा स्थल और अन्य स्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है।

एजेंसी, थिंक राजस्थान

महेन्द्रसिंह शेखावत | बीकानेर

सहकारिता का मूल दर्शन 'बिना लाभ-हानि' के सिद्धांत पर आधारित था, जिसका परम उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़, यानी हमारे अन्नदाता किसान को मजबूती और संबल प्रदान करना था। लेकिन आज राजस्थान के खेतों की हकीकत सहकार की नहीं, बल्कि एक नए प्रकार के 'सहकारी स्टालिनवाद' को दर्शाती है। किसानों के पसीने से सींची गई 'इफको' और 'कृभको' जैसी शीर्ष संस्थाएं अब प्रशासनिक निरंकुशता और कॉर्पोरेट लालच का क्रूर केंद्र बन चुकी हैं। यह रिपोर्ट महज खाद की कमी का कोई सामान्य समाचार नहीं है, बल्कि उस सुनियोजित लूट और महाघोटाले का पर्दाफाश है, जहां 'बाबू राज' का हंटर सीधे अन्नदाता की पीठ पर निर्ममता से बरस रहा है।

आंकड़ों का मायाजाल: टर्नओवर बनाम किसान की बदहाली

आज एक तरफ सहकारी संस्थाओं की बैलेंस शीट करोड़ों के मुनाफे से चमक रही है, तो दूसरी तरफ यक्ष प्रश्न यह है कि क्या यह चमक किसान के घर का अंधेरा दूर कर पा रही है? इस घोर प्रशासनिक विफलता का मुख्य कारण इन संस्थाओं का वह नेतृत्व है, जिसे कृषि और किसानी का बुनियादी ज्ञान तक नहीं है। यह एक अत्यंत गंभीर प्रशासनिक विडंबना को उजागर करता है।

नेतृत्व की विडंबना: 'इफको' और 'कृभको' की कमान

विडंबना देखिए कि उर्वरक वितरण जैसी अत्यधिक संवेदनशील व्यवस्था का नेतृत्व उन हाथों में सौंप दिया गया है जिन्हें मिट्टी की कोई समझ नहीं है। 'इफको' का नेतृत्व एक राजनेता (दिलीप संघानी) और एक मैकेनिकल इंजीनियर (जे.के. पटेल) कर रहे हैं, जिनका मृदा विज्ञान से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है। वहीं, 'कृभको' की कमान भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के अधिकारी (एस.एस. यादव) के पास है, जो मूलतः एक दूरसंचार विशेषज्ञ हैं और उन्हें कृषि का शून्य अनुभव है। कृषि, मृदा विज्ञान या फसल चक्र की बुनियादी समझ न रखने वाले एक मैकेनिकल इंजीनियर और एक टेलीकॉम अधिकारी को खाद वितरण की जिम्मेदारी सौंपना, व्यवस्था की गहरी प्रशासनिक साठगांठ का सबसे स्पष्ट प्रमाण है। इसी का दुष्परिणाम है कि खाद का वितरण खेतों की जरूरत के अनुसार नहीं, बल्कि निजी डीलरों के भारी मुनाफे को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

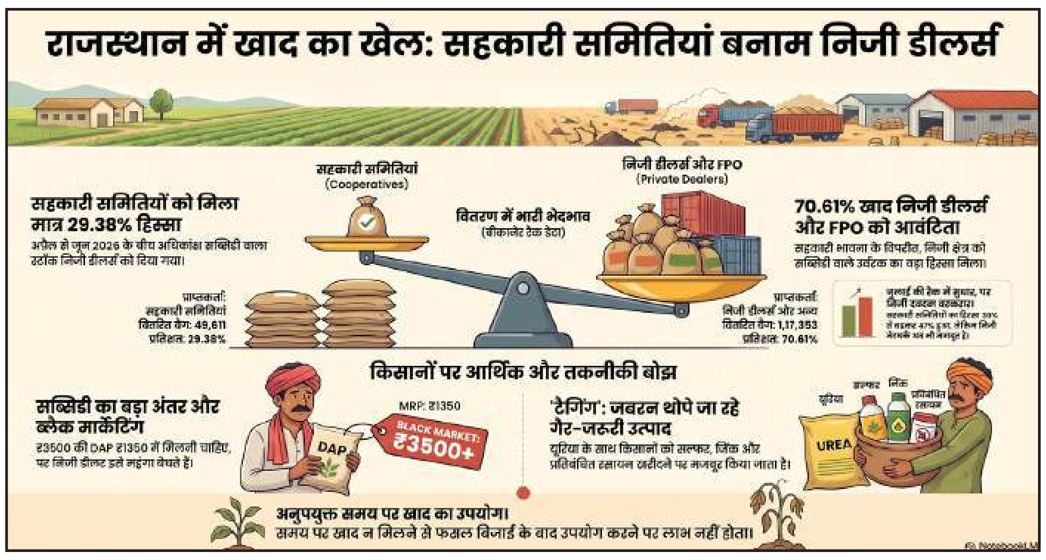

बीकानेर का कच्चा चिट्ठा: सत्तर प्रतिशत विचलन का आपराधिक षड्यंत्र

बीकानेर जिला आज सहकारी भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी और वीभत्स प्रयोगशाला बन चुका है। जून २०२६ में उप-पंजीयक कैलाश चंद्र सैनी और 'राजफेड' के उमाकांत व्यास द्वारा प्रस्तुत की गई एक आधिकारिक जांच रिपोर्ट ने ऐसे चौंकाने वाले तथ्य और आंकड़े सामने रखे हैं, जो किसी भी लोकतान्त्रिक व्यवस्था को शर्मसार करने के लिए काफी हैं। बारह (12) अप्रैल से ग्यारह (11) जून 2026 के बीच बीकानेर को कुल एक लाख छियासठ हजार नौ सौ चौंसठ (1,66,964) बैग खाद प्राप्त हुई। नियमों और सहकारिता के सिद्धांतों के अनुसार यह खाद किसानों तक पहुंचनी चाहिए थी, लेकिन इसमें से ग्राम सेवा सहकारी समितियों (जीएसएस) और क्रय-विक्रय सहकारी समितियों (केवीएसएस) को मात्र उनचास हजार इकसठ (59061) बैग (यानी केवल 29.38%) हिस्सा ही आवंटित किया गया।

महाजन अर्जनसर क्षेत्र में फिर बरसे बादल, रेलवे पटरियां व गलियां जलमग्न किसानों के चेहरे खिले

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर जिले के विभिन्न इलाकों में जहां इस बार बारिश की कमी है वहीं लूणकरणसर तहसील के महकम अरजनसर क्षेत्र में निरंतर बारिश हो रही है। सोमवार की अच्छी बारिश के बाद मंगलवार सुबह एक बार फिर मौसम मेहरबान रहा। सुबह करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे इलाके को तरबतर कर दिया। लगातार हुई तेज बारिश से अर्जनसर कस्बे की कई गलियां पानी से लबालब भर गईं, वहीं रेलवे स्टेशन के आसपास की रेल पटरियां भी पानी में डूब गईं। निचले इलाकों में कई घरों में बारिश का पानी घुस गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हर बार की तरह इस बार भी जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी लंबे समय तक सड़कों और गलियों में जमा रहा। दूसरी ओर, यह बारिश किसानों के लिए किसी सौगात से कम नहीं रही। लंबे इंतजार के बाद हुई अच्छी बारिश से खेतों में नमी बढ़ गई है और खरीफ फसलों को नया जीवन मिला है। क्षेत्र के कई खेत पानी से लबालब भर गए, जिससे मोठ, मूंग, ग्वार और बाजरा की फसलों को भरपूर लाभ मिलने की उम्मीद है। बारिश के बाद क्षेत्र का मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। ग्रामीणों ने इसे खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभदायक बताते हुए अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई। किसानों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में भी संतुलित वर्षा होती रही तो इस बार फसल उत्पादन बेहतर रहने की संभावना है। वहीं, जलभराव के कारण कई प्रमुख मार्गों पर आवागमन प्रभावित रहा।

इंस्पायर मानक योजना के लिए नामांकन 15 सितंबर तक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर ने सत्र 2026-27 के लिए इंस्पायर मानक योजना के तहत विद्यार्थियों के ऑनलाइन नामांकन कराने के निर्देश जारी किए हैं। योजना का उद्देश्य कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। निदेशानुसार प्रत्येक विद्यालय अधिकतम पांच श्रेष्ठ मौलिक नवाचारी विचारों का नामांकन ई-एमआईएएस पोर्टल पर कर सकेगा। इनमें विज्ञान वर्ग की कक्षा 11 और 12 से अधिकतम दो विचार शामिल किए जा सकेंगे। नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। अभी तक अपंजीकृत विद्यालयों को तत्काल पोर्टल पर पंजीकरण कराने तथा पूर्व पंजीकृत विद्यालयों को अपनी प्रोफाइल अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं। चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से जमा कराई जाएगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का 16 अगस्त को अलवर में प्रस्तावित दौरा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने मंगलवार को सरस डेयरी सभागार में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के 16 अगस्त को अलवर में प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक एवं सभा स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। वन राज्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह 16 अगस्त को प्रस्तावित दौरे के दौरान सरस डेयरी अलवर में 3 लाख लीटर क्षमता के नवीन संयंत्र के शिलान्यास सहित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसके दृष्टिगत दौरे की तैयारियों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रस्तावित कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि कार्यक्रम स्थल पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रहे तथा यातायात प्रभावित ना हो इसको दृष्टिगत रखते हुए उचित स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता, अग्निशमन, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वीआईपी प्रोटोकॉल के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए तथा यातायात प्रबंधन के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। पार्किंग, प्रवेश और निकास मार्गों की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए।

एमडीएम पाउडर मिल्क भंडारण में लापरवाही अधिकारियों को चेतावनी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। विद्यालयों में मिड डे मील के तहत वितरित किए जाने वाले पाउडर मिल्क के दुरुपयोग, अनियमित वितरण, एक्सपायर्ड सामग्री के उपयोग तथा सार्वजनिक धन की हानि जैसी स्थितियां उत्पन्न होने से राज्य सरकार चिंतित है।माध्यमिक शिक्षा निदेशक सहित समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को इसके लिए पाबंद किया गया है। पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत विद्यालयों में वितरित किए जा रहे पाउडर मिल्क के भंडारण, उपयोग और वितरण को लेकर प्रकाशित प्रतिकूल समाचारों पर मिड डे मील आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है और इसे अत्यंत गंभीर माना है। शासन की मंशा के प्रतिकूल है।आयुक्त विश्वमोहन शर्मा ने चेतावनी दी है कि समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो कड़ी कार्यवाही होगी। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि योजना के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रांसफॉर्मिंग ट्यूजडे के तहत तीन विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, 700 से अधिक विद्यार्थी हुए लाभान्वित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के निर्देशन में तालुका विधिक सेवा समिति, सरदारशहर द्वारा मंगलवार को ट्रांसफॉर्मिंग ट्यूजडे अभियान के अंतर्गत श्री राम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं श्री बहादुर सिंह भान कंवर आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरदारशहर में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में लगभग 700 विद्यार्थियों को विधिक अधिकारों, बाल संरक्षण एवं निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जागरूक किया गया। तीनों कार्यक्रमों का मुख्य विषय 'शोषण के खिलाफ आवाज उठाओ – स्वयं अपने रक्षक बनें' तथा 'अच्छा स्पर्श, बुरा स्पर्श – फर्क समझो, सुरक्षित रहो' रहा। वक्ताओं ने

विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, किसी भी प्रकार के शोषण या उत्पीड़न का साहसपूर्वक विरोध करने तथा ऐसी स्थिति में अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। श्री राम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य वक्ता वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती रीतिका चौहान रहीं। इस अवसर पर अपर लोक अभियोजक श्री पवन सैनी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता संदीप कुमार भोजक एवं अंतिमा जाड़ीवाल भी उपस्थित रहे। समिति ने विद्यालय प्रशासन के सहयोग की प्रशंसा करते हुए इसे विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में सराहनीय पहल बताया।

एसपी मेडिकल कॉलेज की एनेस्थियोलॉजी की विभागाध्यक्ष डॉ कांता भाटी सम्मानित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट कॉन्फ्रेंस राजसकाना-2026 में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज (एसपीएमसी), बीकानेर के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कांता भाटी को एनेस्थीसिया के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित डॉ. आर. के. असेरी प्रोफिशिएंसी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।यह कांग्रेस पुष्कर में आयोजित हुई। यह उपलब्धि संस्थान एवं बीकानेर के लिए गर्व का विषय मानी जा रही है। कॉन्फ्रेंस में डॉ. कांता भाटी एवं डॉ. कीर्ती व्यास ने रीजनल एनेस्थीसिया विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए। उल्लेखनीय है कि एसपीएमसी सेगमेंटल स्पाइनल एनेस्थीसिया तथा रीजनल एनेस्थीसिया तकनीकों के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में से एक है, जिसके कारण इन व्याख्यानों को प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई। पीजी क्विज प्रतियोगिता में एसपीएमसी की टीम डॉ. सारांशी एवं डॉ. गिरीशांत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त डॉ. सुनील, कार्यक्रम में डॉ. सचिन, डॉ. शकुंतला, डॉ. गोपाल, डॉ. दिलीप एवं डॉ. मेधा ने विभिन्न शोध विषयों पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. कांता भाटी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विभाग की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा, निरंतर शोध गतिविधियों तथा टीमवर्क का परिणाम है। एसपीएमसी, बीकानेर का यह प्रदर्शन चिकित्सा शिक्षा एवं एनेस्थीसियोलॉजी के क्षेत्र में संस्थान की सशक्त पहचान को और अधिक मजबूती प्रदान करता है।

आरयूआईडीपी के पांचवें चरण में 9,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की तैयारी,राजस्थान के 84 शहरों में होंगे संवाद कार्यक्रम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना (आरयूआईडीपी) ने अपने पांचवें चरण के तहत लगभग 9,500 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश के 84 शहरों में जनप्रतिनिधियों, पूर्व पार्षदों, प्रबुद्ध नागरिकों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की जानकारी देना तथा स्थानीय स्तर पर सुझाव और फीडबैक प्राप्त करना है। 5 अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले इन संवाद कार्यक्रमों में शहरी विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। सरकार का लक्ष्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण को ध्यान में रखते हुए शहरों को अधिक स्मार्ट, टिकाऊ (सस्टेनेबल) और नागरिक सुविधाओं से युक्त बनाना है। परियोजना के अंतर्गत अपशिष्ट जल प्रबंधन, ठोस कचरा प्रबंधन, शहरी यातायात सुधार, बाढ़ एवं ड्रेनेज प्रबंधन, विरासत संरक्षण, पर्यटन विकास तथा कमांड एंड कंट्रोल सेंटर जैसी महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे प्रदेश के 84 नगरीय निकायों के लाखों नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। आरयूआईडीपी के पांचवें चरण में एशियन डेवलपमेंट बैंक तथा विश्व बैंक का वित्तीय सहयोग प्राप्त होगा। एडीबी की सहायता से संचालित परियोजना की अनुमानित लागत 6009 करोड़ रुपये, जबकि विश्व बैंक समर्थित परियोजना की लागत 3492 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इन योजनाओं का उद्देश्य आधुनिक शहरी अवसंरचना विकसित करने के साथ-साथ विकसित भारत-2047 एवं विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्यों को गति देना है। परियोजना के तहत 67 शहरों में अपशिष्ट जल प्रबंधन एवं पुनः उपयोग पर 4047 करोड़ रुपये, 32 शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर 650 करोड़ रुपये, सात जिला मुख्यालयों में शहरी यातायात सुधार पर 2022 करोड़ रुपये, 56 शहरों में बाढ़ एवं ड्रेनेज प्रबंधन 500 करोड़ रुपये तथा विरासत संरक्षण एवं पर्यटन संबंधी 56 विकास कार्य पर 701 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इन योजनाओं के माध्यम से शहरों में जीवन स्तर सुधारने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर रहेगा। इसके तहत जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने, सीवरेज नेटवर्क का विस्तार, ठोस कचरा प्रबंधन में सुधार, यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने तथा सार्वजनिक सुविधाओं को आधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

राजस्थान/ प्रादेशिक

भाजपा ने निकाय-पंचायत चुनाव की तैयारी तेज की

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। चूरू में भाजपा ने आगामी नगर निकाय और पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को चूरू के रामसरा रोड स्थित जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में एक संगठनात्मक बैठक हुई। इसमें चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत और चूरू विधायक हरलाल सहारण सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इन नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठन को प्राथमिकता देते हुए निकाय और पंचायत चुनावों में पूरी शक्ति से जुटने का आह्वान किया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता की कुंजी है। उन्होंने राज्य सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि चूरू को मरुस्थलीय जिला घोषित करने और यमुना जल समझौते से जिले के विकास को नई दिशा मिलेगी।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर 6 अगस्त को सीकर आएंगे

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर 6 अगस्त (गुरुवार) को सीकर आएंगे। निजी सहायक विकास बडसीवाल ने बताया कि शिक्षा मंत्री दिलावर सायं 4 बजे जयपुर से राजकीय वाहन द्वारा प्रस्थान कर सायं 7:30 बजे हिरना (सीकर) पहुंचेंगे। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शहीद विष्णु शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, हिरना के नवीन भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रात्रि 10:20 बजे सीकर से कोटा के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात, बैठक व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। निजी सहायक विकास बडसीवाल के अनुसार शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंत्री दिलावर शहीद विष्णु शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उद्घाटन करने के साथ विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी संबोधित करेंगे।

चारागाह भूमि पर 15 दिन में हटे अतिक्रमण, नहीं तो होगी FIR, पुनर्वास से पहले नहीं हटेंगे घुमंतू परिवार : दिलावर

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने चारागाह भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अतिक्रमणकारियों को 15 दिन के भीतर स्वयं कब्जा हटाने के लिए नोटिस जारी किए जाएं। निर्धारित समय में अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ नियमानुसार एफआईआर दर्ज कर कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज विभाग के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकारी चारागाह भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी भी मौजूद रहे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रभावी ढंग से सार्वजनिक किया जाए। अतिक्रमणकारियों के नाम, विवरण और कार्रवाई की तस्वीरें स्थानीय समाचार पत्रों व अन्य मीडिया माध्यमों में प्रकाशित कराई जाएं, ताकि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ कड़ा संदेश जाए और आमजन में जागरूकता बढ़े। घुमंतू समुदाय के परिवारों को लेकर मंत्री ने संवेदनशील रुख अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय भी प्रभावित परिवारों के पुनर्वास पर जोर दे चुका है। ऐसे में किसी भी घुमंतू परिवार को उचित पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना नहीं हटाया जाए। अधिकारियों को प्रत्येक मामले का मानवीय दृष्टिकोण से निस्तारण करने और आवश्यक पुनर्वास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में ग्राम पंचायतों में कार्यरत सुरक्षा गार्डों के लंबित भुगतान का मुद्दा भी उठा। मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि भुगतान में अनावश्यक देरी करने वाले या संविदा की शर्तों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। मंत्री ने मंत्री कार्यालय में लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक वर्ष से अधिक पुराने सहित सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सहकारी बैंको में वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों नौकरी से हटाना श्रम कानूनों का उल्लंघन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। ऑल राजस्थान को आपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन के प्रान्तीय महासचिव, सहकारी साख समितियाँ एम्पलाईज यूनियन राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष, राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन के उप महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों, अपैक्स बैंक एवं भूमि विकास बैंकों में सहायक कर्मचारियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के रिक्त पदों पर वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को अचानक नौकरी से हटाने का कड़ा विरोध किया है। आमेरा ने से 10-15- 25 वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को अचानक हटाना अनुचित श्रम व्यवहार एवं अमानवीय कृत्य है जिससे परिवार समाज में रोजी रोटी का संकट खड़ा होता है। प्रत्येक सहकारी बैंक में लेबर कोड के अनुपालन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए।

जयपुर की अदिति चौधरी बनीं मिसेज ओशन इंडिया

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर की अदिति चौधरी ने दो साल गंभीर बीमारी से लड़ने के बाद कॉन्फिडेंस और इच्छाशक्ति से नई पहचान बनाई। जयपुर में आयोजित समारोह में अदिति ने 'मिसेज ओशन इंडिया-2026' का खिताब अपने नाम किया। अब अदिति इसी महीने जयपुर में आयोजित होने वाली मिसेज ओशन वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता में करीब 20 देशों की प्रतिभागियों के बीच अदिति भारतीय संस्कृति का परिचय देंगी। अंग्रेजी लैंग्वेज की टीचर होने के साथ दो बच्चों की मां और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने वाली अदिति ने साबित कर दिया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों। यदि आत्मविश्वास बना रहे तो हर सपना साकार हो सकता है। अदिति के मेंटर योगेश मिश्रा और निमिषा मिश्रा ने बताया- अदिति ने हाल ही आयोजित मिसेज राजस्थान प्रतियोगिता में सेकंड रनर-अप का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने अपने पहले राष्ट्रीय स्तर के पेजेंट मिसेज ओशन इंडिया में विजेता बनीं। उन्होंने कहा- अदिति का अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना राजस्थान और देश के लिए गर्व का विषय है। अदिति चौधरी ने बताया- पिछले दो साल मेरे जीवन के सबसे कठिन साल रहे। वर्ष 2024 में मुझे लुडविग्स एंजाइना नाम की गंभीर बीमारी हुई, जिसमें मेरी सांस की नली प्रभावित हो गई। चेहरे का एक हिस्सा पूरी तरह सूज गया था और स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि वह खुद को आईने में पहचान भी नहीं पा रही थीं।

भाजपा किसाना मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में किसान आंदोलन के गढ़ से बिजाराणिया को मौका

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सीकर। कई महीनों के इंतजार के बाद भाजपा किसान मोर्चा की कार्यकारिणी अनलॉक हो गई है। कार्यकारिणी में किसानों के मजबूत गढ़ माने जाने वाले धोद विधानसभा क्षेत्र के ओमप्रकाश बिजाराणियां को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी मिली है। इससे पहले बिजाराणियां भाजपा प्रवक्ता सहित अन्य जिम्मेदारी संभाल चुके है। छात्र राजनीति से निकले बिजाराणियां पिछले 16 सालों से भाजपा में सक्रिय है। चुनाव व बूथ प्रबंधन में महारथी माने जाने वाले बिजाराणियां को बंगाल चुनाव में भाजपा की ओर नियुक्त किया गया था। वहां उन्होंने बड़े नेताओं की सभाओं का जिम्मा संभाला। इससे पहले भी वह सीकर सहित प्रदेश के कई जिलों में पीएम मोदी व सीएम भजनलाल शर्मा की सभाओं की कमान संभाल चुके है। वरिष्ठ नेताओं से तालमेल के साथ आम कार्यकर्ताओं के बीच संघर्ष की छवि के दम पर किसान मोर्चा में बिजाराणियां को जगह मिली है। इधर, सियासी जानकारों का कहना है कि धोद विधानसभा क्षेत्र हमेशा से माकपा का मजबूत गढ़ रहा है।

यहां भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ जुटकर धोद में चुनाव प्रबंधन संभाला। बिजाराणियां पार्टी के महत्वपूर्ण अभियानों का जिम्मा भी वह संभाल चुके है। किसान मोर्चा की कार्यकारिणी घोषित होते ही विभिन्न संगठनों ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया। जिले के कार्यकर्ताओं ने बिजाराणियां का अभिनंदन कर हौसला बढ़ाया। माकपा के मजबूत गढ़ माने जाने धोद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के लिए हर चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, गुटबाजी से दूर, स्वच्छ छवि, कार्यकर्ताओं पर मजबूत पकड़ व सभी वरिष्ठ नेताओं से बेहतर रिश्तों की वजह से पार्टी आलाकमान ने बिजाराणियां को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी है।

रोटरी क्लब टोंक बनास द्वारा सावन में सत्संग स्थल पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

टोंक। रोटरी क्लब टोंक बनास द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से सावन माह के अंतर्गत प्रत्येक सोमवार चलाए जा रहे पौधारोपण अभियान की श्रृंखला में आज सद्गुरु कबीर उदित नाम साहेब आश्रम (गलतान दास जी की बगीची) में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब टोंक बनास के अध्यक्ष रोटेरियन तुशांत टिक्किवाल ने प्रभुदास जी महाराज का सम्मान किया। रोटरी क्लब टोंक बनास के सचिव रोटेरियन सीए आकाश जैन ने बताया कि क्लब द्वारा सावन माह में प्रत्येक सोमवार को विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर रोटेरियन रोहिताश कुमावत, रोटेरियन डॉ. प्रदीप गहलोत, राष्ट्रीय कवि प्रदीप जी पंवार, रोटेरियन बादल साहू एवं रोटेरियन प्रमोद शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शेखावाटी पत्रकार संस्थान के आगामी अध्यक्ष होंगे हरीश गुर्जर, 16 अगस्त को संभालेंगे कार्यभार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

रींगस। शेखावाटी अंचल के पत्रकारों की रजिस्टर्ड संस्था शेखावाटी पत्रकार संस्थान के आगामी अध्यक्ष के रूप में हरीश गुर्जर को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया है। नई कार्यकारिणी 16 अगस्त को विधिवत कार्यभार ग्रहण करेगी। संस्थान के पूर्व अध्यक्ष बीएल सरोज ने बताया कि सोमवार को रींगस के भैरुजी मोड़ स्थित टैगोर शिक्षण संस्थान में संस्थान की बैठक अध्यक्ष विद्याधर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 27 जुलाई को रींगस में आयोजित शेखावाटी मीडिया सम्मेलन की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया गया। इसके साथ ही 15 अगस्त को पूर्ण हो रहे द्विवार्षिक कार्यकाल के मद्देनजर नई कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से वर्तमान सचिव हरीश गुर्जर को संस्थान का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा श्रवण कुमार को लगातार दूसरी बार उपाध्यक्ष पद, विद्याधर शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा राजेंद्र कुमावत को सचिव की पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी 16 अगस्त को अमरसर स्थित काली माता मंदिर में आयोजित बैठक में पदभार ग्रहण करेगी। इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक प्रदीप शर्मा, विधि सलाहकार एडवोकेट हरीश स्वामी, पूर्व अध्यक्ष बी.एल. सरोज, वरिष्ठ सदस्य द्वारका प्रसाद कौशिक, लोकेश शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संस्थान के सदस्यों ने पत्रकारिता के मूल्यों, निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता तथा संगठन की आगामी गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि बदलते मीडिया परिवेश में पत्रकारों की भूमिका और जिम्मेदारियां लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने की आवश्यकता है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरीश गुर्जर ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की गरिमा, एकता और पत्रकार हितों की रक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। साथ ही युवा पत्रकारों को प्रोत्साहित करने और वरिष्ठ पत्रकारों के अनुभवों का लाभ नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए भी विशेष पहल की जाएगी।

क्षत्रिय समाज को हथियार बनाकर विलेन बनाने की साजिश, सवर्ण न्याय यात्रा में मृतक के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने आरक्षण, सामाजिक न्याय और हाल ही में आयोजित सवर्ण न्याय यात्रा के दौरान हुई घटना को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया है। उन्होंने क्षत्रिय समाज को सचेत करते हुए कहा कि आरक्षण हटाने की मांग एक विशेष बुद्धिजीवी वर्ग का एजेंडा है और राजपूत समाज को इसमें मोहरा बनने से बचना चाहिए। क्षत्रिय समाज को हथियार बनाकर विलेन बनाने की कोशिश महिपाल सिंह मकराना ने कहा कि आरक्षण हटाओ आंदोलन से क्षत्रिय समाज को दूरी बनाकर रखनी चाहिए। बुद्धिजीवी वर्ग क्षत्रिय समाज को केवल एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करके एक बड़े वर्ग के सामने 'विलेन' बनाना चाहता है। क्षत्रिय समाज कभी नहीं चाहेगा कि किसी वंचित, गरीब या पिछड़े को उसका हक न मिले। जो वर्ग मुख्यधारा में शामिल नहीं हैं, उन्हें आरक्षण का पूरा अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वंचितों और पिछड़ों में जो लोग आर्थिक या सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके हैं, यदि उनमें मानवता होगी तो वे स्वयं आरक्षण में संशोधन और वर्गीकरण (क्रीमी लेयर/उप-वर्गीकरण) की मांग करेंगे। महिपाल सिंह मकराना ने 'सवर्ण न्याय यात्रा' के दौरान हुए एक युवक के दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सरकार के समक्ष कड़ी मांगे रखीं:

मृतक के परिवार को राहत: सरकार मृतक युवक (देवराज सिंह) के आश्रितों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तुरंत सुनिश्चित करे। ओबीसी समाज से था मृतक: उन्होंने स्पष्ट किया कि मृतक देवराज सिंह ओबीसी समाज से आता था और वह सहयोग करने के उद्देश्य से यात्रा में शामिल हुआ था। अधिकारी पर कार्रवाई: घटना के समय मौके पर मौजूद जिम्मेदार पुलिस/प्रशासनिक अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। इसके अतिरिक्त महिपाल सिंह मकराना ने मांग की कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जा सके। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही या दोष सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

अस्पताल की जगह बदलने के विरोध में खाटू में तीसरे दिन भी धरना जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

खाटूश्यामजी। निर्माणाधीन उप जिला अस्पताल के स्थान परिवर्तन के विरोध में खाटूश्यामजी में चल रहा धरना मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। पीडब्ल्यूडी मोड़ पर आयोजित धरने में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। आंदोलनकारियों ने अस्पताल का निर्माण पूर्व निर्धारित स्थान पर ही शुरू करवाने की मांग दोहराई। धरना स्थल पर पहुंचे वरिष्ठ भाजपा नेता पवन पुजारी ने आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि उप जिला अस्पताल क्षेत्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। अस्पताल का निर्माण तय स्थान पर ही हो, इसके लिए सरकार और उच्च अधिकारियों के समक्ष मांग रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ी तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर भी इस मामले में हस्तक्षेप का आग्रह किया जाएगा। पूर्व पार्षद छोटूराम शेरावत ने कहा कि खाटूश्यामजी जैसे धार्मिक नगरी के विकास कार्यों को लेकर स्थानीय प्रबुद्धजनों की कोर कमेटी बनाकर निर्णय लिए जाने चाहिए, जिससे भविष्य में विकास कार्यों को लेकर विवाद की स्थिति पैदा न हो।

मनोरंजन समाचार

मृणाल ठाकुर ने डीपफेक बनाने वालों को दी चेतावनी, कहा- पहचान के गलत इस्तेमाल पर होगी कानूनी कार्रवाई

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने सोशल मीडिया के जरिए डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए उनके वीडियो और तस्वीरों को हटाने की चेतावनी दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने डीपफेक बनाने वालों को चेतावनी देते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाही की बात की। अभिनेत्री ने लिखा, "मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है। इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें। अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।" अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की बात करें, तो अब उनकी झोली में कई फिल्में लगी हुई हैं। अभिनेत्री साल की शुरुआत में रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म मुंबई शहर में रहने वाले दो ऐसे लोगों की है जो आत्म-संदेह, सामाजिक दबाव और असुरक्षा

से जूझते हुए प्यार और अपनापन पाते हैं। फिल्म ने बॉक्सऑफिस पर अच्छी कमाई की थी। इसके बाद अभिनेत्री डेविड धवन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन और पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिकाओं में थे। अभिनेत्री अदिवी शेष के साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत- एक प्रेम कथा' में नजर आई थी। इस फिल्म का निर्देशन शनेल देव ने किया है। यह फिल्म प्यार, धोखे, और बदले की एक अनोखी कहानी है। इसमें हाई-स्टेक्स चोरी और जबरदस्त सस्पेंस देखने को मिलता है। फिल्म में मृणाल ठाकुर ने 'सरस्वती' नाम का किरदार निभाया है। उनका किरदार सिर्फ एक रोमांटिक लव-इंटरेस्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह कहानी का मुख्य संघर्ष और ताकत का प्रतीक बनता है। आदिवी शेष मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आए हैं, जबकि फिल्म में अनुराग कश्यप ने एक खतरनाक खलनायक/पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। मृणाल ठाकुर ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपयोग कर किसी की पहचान, तस्वीर या आवाज का गलत इस्तेमाल न केवल निजता का उल्लंघन है, बल्कि इसके गंभीर कानूनी परिणाम भी हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की फर्जी या भ्रामक सामग्री साझा करने से बचें और जिम्मेदारी के साथ सोशल मीडिया का उपयोग करें। हाल के समय में डीपफेक तकनीक के बढ़ते मामलों को लेकर कई कलाकार और सार्वजनिक हस्तियां चिंता जता चुकी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तकनीक का गलत इस्तेमाल किसी व्यक्ति की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई और जागरूकता दोनों आवश्यक हैं। रोमांस, कॉमेडी और एक्शन जैसी विविध भूमिकाओं के जरिए उन्होंने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है और उनकी आगामी परियोजनाओं का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

झारखंड छात्रों के समर्थन में उतरी सोनाक्षी सिन्हा, कहा- यह सब कब रुकेगा

भारत में पिछले कई सालों से राज्यों में सरकारी पेपर को लेकर चल रही धांधली को उजागर करने के लिए छात्र अब सड़क उतर आए हैं। दिल्ली से शुरु हुई छात्र प्रोटेस्ट की लहर झारखंड में भी देखने को मिल रहा है। अब इस मुद्दे पर अभिनेत्री सोनाक्षी ने रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो जारी कर एक नोट लिखा। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर आवाज उठाई। उन्होंने लिखा, "हमारे देश के छात्रों को ऐसी स्थिति से गुजरते हुए देखना बहुत दुखद है। यह सब कब रुकेगा???" बता दें कि झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के खिलाफ छात्र रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। छात्र मुख्य रूप से 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और पूरे मामले की सीबीआई व ईडी से जांच कराने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि जेपीएससी-जेएसएससी विवाद को लेकर स्टूडेंट्स का यह प्रोटेस्ट जब शुरू हुआ था तो शुरुआत में राज्य के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन हो रहे थे, लेकिन 29 जुलाई को विरोध प्रदर्शन एक बड़े आंदोलन में बदल गया, जब ऑर्गनाइजर ने 'महा आंदोलन' और संविधान मार्च का आह्वान किया और हर जिले से उम्मीदवारों से राज्य की राजधानी रांची में इकट्ठा होने की अपील की। इस अपील का असर देखने को मिला और लगभग 5,000 स्टूडेंट्स रांची पहुंच गए और शांति मार्च में हिस्सा लिया।

दो बच्चों की मां, 10 साल का ब्रेक... फिर जेनेलिया ने ऐसे की ब्लॉकबस्टर वापसी

बॉलीवुड में अक्सर कहा जाता है कि शादी और मां बनने के बाद किसी अभिनेत्री का करियर पहले जैसा नहीं रह जाता। कई अभिनेत्रियां इस धारणा की वजह से लंबे समय तक पर्दे से दूर रहती हैं या फिर वापसी नहीं कर पातीं। लेकिन जेनेलिया डिसूजा उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने इस सोच को गलत साबित किया। दो बच्चों की मां बनने के बाद करीब 10 साल तक फिल्मों से दूरी बनाई और फिर ऐसी वापसी की कि हर कोई उनकी तारीफ करने लगा। 5 अगस्त 1987 को मुंबई में जन्मीं जेनेलिया डिसूजा का फिल्मी सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। महज 15 साल की उम्र में उन्हें अमिताभ बच्चन के साथ पार्कर पेन के एक विज्ञापन में काम करने का मौका मिला। दिलचस्प बात यह है कि उस समय उनकी परीक्षाएं चल रही थीं और उन्होंने पहले इस विज्ञापन के लिए मना कर दिया था, लेकिन निर्देशक के समझाने पर उन्होंने शूटिंग की और यही विज्ञापन उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बन गया। इसके बाद साल 2003 में फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। इसी फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख भी थे। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई और यहीं से उनकी दोस्ती शुरू हुई, जो आगे चलकर प्यार में बदल गई। हालांकि बॉलीवुड में शुरुआत करने के बाद जेनेलिया ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में भी शानदार काम किया। फिल्म 'बोमरिलू' ने उन्हें साउथ सिनेमा की बड़ी स्टार बना दिया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। वहीं हिंदी दर्शकों के बीच उन्हें सबसे ज्यादा पहचान 'जाने तू या जाने ना' की चुलबुली 'अदिति' के किरदार से मिली। इसके अलावा 'रेडी', 'फोर्स', 'तेरे नाल लव हो गया' जैसी फिल्मों ने भी उनके करियर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। साल 2012 में जेनेलिया ने अभिनेता रितेश देशमुख से शादी कर ली। शादी के बाद उन्होंने अपने परिवार और बच्चों को प्राथमिकता दी। कई लोगों को लगा कि अब शायद जेनेलिया बड़े पर्दे पर कभी वापसी नहीं करेंगी।

'पाकिस्तान मेरी मौसी है', 'बटवारा 1947' के इवेंट में सनी देओल को याद आई पापा धर्मेंद्र की बात

सनी देओल इन दिनों आमिर खान के प्रोडक्शन तले बनी फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं, जो इसी महीने सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर सनी देओल के फैंस के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। फिल्म के ट्रेलर और गानों को भी दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच सनी देओल अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। सनी देओल अपनी अपकमिंग फिल्म 'बटवारा 1947' के एक प्रमोशनल इवेंट के चलते रविवार को पटना पहुंचे, जहां उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के लिए आयोजित एक प्रेस मीट में भी हिस्सा लिया। सनी देओल ने बातचीत के दौरान कहा कि वह राजनीति पर नहीं बल्कि कहानियों और अभिनय पर फोकस करना चाहते हैं।

मां बनने के बाद शो में वापसी करना मेरे लिए चुनौतियों से भरा था : रुबीना दिलैक

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री रुबीना दिलैक दो जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद अब 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 15' (डर का नया दौर) में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में माना कि मां बनने के बाद शो में वापसी करना फिजिकल चुनौतियों से भरपूर था। अभिनेत्री ने बताया कि प्रेग्नेंसी के बाद उनकी बॉडी में कई तरह के बदलाव हुए हैं। रुबीना ने कहा कि उन्हें शो में हिस्सा लेने से पहले कुछ और साल इंतजार करना चाहिए था। रुबीना दिलैक ने कहा, "मुझे पहले स्टंट में ही एहसास हो गया था कि किया मुझे और भी स्ट्रॉन्ग बनने के लिए 4-5 साल और इंतजार करना चाहिए था। फिर वापस आना चाहिए था। इस शो में फिजिकली स्ट्रॉन्ग बनने से कहीं ज्यादा मेंटल रेजिलिएंस मायने रखता है।" उन्होंने आगे कहा, "शो में स्टंट के दौरान मुझे समझ में आ गया था कि अब या फिर कभी नहीं क्योंकि रेजिलिएंस, आपकी मेंटल स्टेबिलिटी, समय और कोई भी ट्रेनिंग इसे बेहतर नहीं बना सकती।" अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने स्टंट करने के लिए हिम्मत अंदर से ही आती है न कि किसी वर्कआउट से। उन्होंने कहा, "मेरे अंदर के स्ट्रॉन्ग माइंडसेट ने मुझे फिजिकल लिमिटेशन के बावजूद मुश्किल चुनौतियों से निपटने में मदद की थी, तो माइंडसेट एक ऐसी चीज थी जिसे लेकर मैं सच में मजबूत थी। और फिर फिजिकल तौर पर यह बहुत चैलेंजिंग था।" एडवेंचर रियलिटी शो में अपने पिछले अपीयरेंस से अपने लेटेस्ट स्टिंट की तुलना करते हुए, रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी फिजिकल एबिलिटीज में फर्क महसूस किया। उन्होंने कहा, "जब मैंने पहला सीजन किया था, तब भी उसमें कई फिजिकल चैलेंज थे, लेकिन जब मैं इस बार आई, तो मुझे एहसास हुआ कि अब मेरे शरीर में कई तरह के बदलाव हुए हैं।" बता दें कि रुबीना ने 2023 में पति अभिनव शुक्ला के साथ जुड़वां बेटियों जीवा और एधा का स्वागत किया। वह अभी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में सभी चैलेंज का सामना करती हुई दिखाई दे रही हैं। रुबीना ने बताया कि मां बनने के बाद उनकी प्राथमिकताएं पूरी तरह बदल गई हैं। अब हर चुनौती का सामना करते समय उनके मन में सबसे पहले अपनी बेटियों का ख्याल आता है। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान परिवार से दूर रहना आसान नहीं था, लेकिन वह चाहती थीं कि उनकी बेटियां भविष्य में यह देखें कि उनकी मां ने हर मुश्किल का डटकर सामना किया और कभी हार नहीं मानी। उनके अनुसार, यही सोच उन्हें हर स्टंट के दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखती थी। अभिनेत्री ने कहा कि प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के बाद शरीर पहले जैसा नहीं रहता। मांसपेशियों की ताकत, संतुलन और सहनशक्ति में बदलाव आता है, इसलिए उन्होंने खुद पर किसी तरह का अनावश्यक दबाव नहीं डाला। उन्होंने अपने शरीर की सीमाओं को समझते हुए हर स्टंट को पूरी तैयारी और सावधानी के साथ किया। रुबीना का कहना है कि मां बनने के बाद शरीर की रिकवरी एक लंबी प्रक्रिया होती है और हर महिला का अनुभव अलग-अलग होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सोशल मीडिया पर अक्सर महिलाओं से बहुत जल्दी फिट होने या पहले जैसा दिखने की उम्मीद की जाती है, लेकिन वास्तविकता इससे काफी अलग होती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने शरीर के साथ धैर्य रखना चाहिए और किसी तरह की तुलना से बचना चाहिए। फिटनेस का मतलब केवल पतला दिखना नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना है। रुबीना के मुताबिक, 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो में केवल ताकत ही नहीं, बल्कि निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास और कठिन परिस्थितियों में शांत रहने की कला भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। कई स्टंट ऐसे होते हैं जहां डर स्वाभाविक होता है, लेकिन उस डर पर नियंत्रण पाना ही असली चुनौती है। उन्होंने कहा कि कई बार उन्होंने खुद को मानसिक रूप से समझाया कि अगर डर के आगे झुक जाएंगी तो चुनौती पूरी नहीं कर पाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि शो के दौरान हर स्टंट से पहले सुरक्षा के सभी नियम समझाए जाते हैं और प्रतिभागियों को पूरी ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बावजूद वास्तविक प्रदर्शन के समय दबाव काफी अधिक होता है। ऊंचाई, पानी, आग और जानवरों से जुड़े स्टंट करते समय एक पल की घबराहट भी प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है, इसलिए मानसिक संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। रुबीना ने रोहित शेट्टी की भी सराहना करते हुए कहा कि वह प्रतिभागियों का लगातार उत्साह बढ़ाते हैं।

तृषा कृष्णन पर उदयनिधि स्टालिन की भद्दी टिप्पणी पर बढ़ा बवाल, फिल्म इंडस्ट्री से उठी आवाज

कावेरी के पानी से जुड़े विवाद को लेकर तंजावुर में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेता और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन की एक टिप्पणी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के मौन की आलोचना करते समय उदयनिधि द्वारा की गई टिप्पणी को व्यापक रूप से अभिनेत्री तृषा के खिलाफ एक अमर्यादित और भद्दी टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में कड़ी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं, जिसके तुरंत बाद पुलिस ने उदयनिधि को तंजावुर में हिरासत में ले लिया। मामले पर अपनी सफाई देते हुए उदयनिधि ने कहा कि जनता को खुद तय करना चाहिए कि उन्होंने क्या गलत कहा। उनका तर्क था कि उन्होंने मुख्यमंत्री के अलावा किसी अन्य व्यक्ति का नाम नहीं लिया। हालांकि आलोचकों और प्रमुख हस्तियों का मानना है कि उनकी यह टिप्पणी डबल मीनिंग वाली थी और इसका उद्देश्य अभिनेत्री को निशाना बनाना था। चिन्मयी ने स्वीकार किया कि शुरुआत में वे इस बयान के छिपे हुए अर्थ को नहीं समझ पाई थीं और उन्हें लगा था कि यह पानी के कनेक्शन से जुड़ा कोई बयान है। बाद में जब उन्हें इसका वास्तविक संदर्भ समझाया गया, तो उन्हें बेहद निराशा हुई।

संदीपा धर ने शेयर किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन; जल्द ही नेटफ्लिक्स ओरिजिनल चुंबक में आएंगी नजर

फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए मशहूर अभिनेत्री संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस को लेग-डे वर्कआउट की तैयारी की एक झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने लेग-डे से पहले अपनाई जाने वाली एक प्रभावी वॉर्म-अप टेक्निक दिखाई है, जो उनके वर्कआउट रूटीन का अहम हिस्सा है। गौरतलब है कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की जरूरत होती है। ऐसे में सही वॉर्म-अप मसल्स को एक्टिव करने और शरीर को कठिन एक्सरसाइज के लिए तैयार करने में मदद करता है। संदीपा का यह फिटनेस-फर्स्ट अप्रोच उनकी अनुशासित और नियमित लाइफस्टाइल को दर्शाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आनेवाली हैं। इस एंसेम्बल कॉमेडी सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास, हेली शाह और कई अन्य कलाकार दिखाई देंगे। मुंबई के बैकग्राउंड पर आधारित यह सीरीज 28 अगस्त 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। एक ओर जहां संदीपा अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर वह अपनी फिटनेस और वेलनेस को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रही हैं। उनका यह संतुलन उनके प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों के प्रति समर्पण को दर्शाता है। वीडियो में संदीपा ने बताया कि किसी भी हाई-इंटेंसिटी लेग वर्कआउट से पहले शरीर को धीरे-धीरे तैयार करना बेहद जरूरी होता है। उनका मानना है कि उचित वॉर्म-अप मांसपेशियों में रक्त संचार बढ़ाने, जोड़ों की गतिशीलता सुधारने और चोट के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी वजह से वह हर वर्कआउट से पहले कुछ समय स्ट्रेचिंग और मोबिलिटी एक्सरसाइज को जरूर देती हैं। फिटनेस के प्रति संदीपा की प्रतिबद्धता उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स में भी साफ दिखाई देती है। वह समय-समय पर अपने फॉलोअर्स के साथ वर्कआउट टिप्स, योग, डांस ट्रेनिंग और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े अनुभव साझा करती रहती हैं।

सार समाचार

अमेरिका के नेतृत्व में नौसैनिक युद्धाभ्यास पर भड़का उत्तर कोरिया, दी चेतावनी

सोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के नेतृत्व में हाल ही में आयोजित बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास रिम ऑफ द पैसिफिक (रिमपैक) को "आक्रामक युद्ध की रिहर्सल" करार दिया है। साथ ही उसने चेतावनी दी कि वह इसके जवाब में "प्रतिरोधक क्षमता को नए स्तर" पर ले जाएगा। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए में मंगलवार को एक सैन्य टिप्पणीकार के हवाले से प्रकाशित लेख में कहा कि रिमपैक अभ्यास दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग का प्रतीक है और इसका उद्देश्य क्षेत्र में सैन्य दबदबा कायम करना है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, लेख में दावा किया गया कि इस बार अभ्यास में दक्षिण कोरिया और जापान की भूमिका पहले की तुलना में अधिक व्यापक रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वाशिंगटन तीनों देशों के बीच सैन्य समन्वय और संयुक्त अभियान क्षमता को और मजबूत करना चाहता है। केसीएनए ने अमेरिकी प्रशांत बेड़े के उप-कमांडर के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि दक्षिण कोरिया और जापान की भूमिका केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि वास्तविक सैन्य अभियानों के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तर कोरिया ने इसे इस बात का प्रमाण बताया कि दुनिया के सबसे बड़े नौसैनिक अभ्यासों में शामिल रिमपैक का उद्देश्य संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी करना है। उत्तर कोरिया ने हाल के दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त सैन्य प्रोग्राम्स (जिनमें बडी स्क्वाड्रन हवाई अभ्यास और संयुक्त रसद प्रशिक्षण शामिल हैं) की भी आलोचना की। प्योंगयांग का आरोप है कि ये गतिविधियां कोरियाई प्रायद्वीप में संभावित सैन्य संघर्ष की तैयारी का हिस्सा हैं।

पाकिस्तान ने अफगानी मेडिकल-डेंटल डिग्री पर लगाई रोक

काबुल। पाकिस्तान मेडिकल एंड डेंटल काउंसिल (पीएमडीसी) ने रजिस्ट्रेशन, लाइसेंसिंग या प्रोफेशनल प्रैक्टिस के लिए अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा संस्थानों से मिली मेडिकल और डेंटल डिग्री लेना बंद कर दिया है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को बताया कि इससे उन पाकिस्तानी स्टूडेंट्स के लिए कन्फ्यूजन पैदा हो गया है जो अभी अफगानिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। एक बयान में, पीडीएमसी ने कहा कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों ने पाकिस्तान के अप्रूव्ड एक्रेडिटेशन सिस्टम के तहत मान्यता प्राप्त दूसरे देशों के इंस्टीट्यूशन से मेडिकल या डेंटल डिग्री ली है, वे ही प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी असेसमेंट से गुजर पाएंगे।

पाकिस्तान के कराची में अज्ञात लोगों ने पुलिसकर्मी पर की सरेआम फायरिंग, एक की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में जमाली ब्रिज के पास अज्ञात हमलावरों ने पुलिसकर्मी पर फायरिंग की। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को बताया कि इस गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, जमाली ब्रिज के पास ड्यूटी कर रहे एक पुलिस कांस्टेबल और उसके साथी पर हथियारबंद लोगों ने गोलियां चलाई, जिससे वह घायल हो गया। पाकिस्तान के द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंगलवार को बताया कि अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई, जबकि उसके साथी को इस घटना में कोई चोट नहीं आई। हमले के बाद, पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और हमलावरों को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया। यह घटना पाकिस्तान में, खासकर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के सीमावर्ती प्रांतों में कानून लागू करने वाले कर्मचारियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों में बढ़ोतरी के बीच हुई। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले के कबाल पुलिस स्टेशन पर 2 अगस्त को हुए आत्मघाती बम हमले में सात पुलिसवालों समेत 17 लोग मारे गए। पाकिस्तान के समा टीवी ने बताया कि पुलिस ने बताया कि 13 घायल पुलिसवालों का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने बताया कि यह घटना पुलिस स्टेशन के गेट के पास हुई, जहां सैकड़ों लोग कबाल चौक पर एक पब्लिक प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए इकट्ठा हुए थे। स्वात डिस्ट्रिक्ट पुलिस ऑफिसर उमर खान ने कहा कि सुसाइड बॉम्बर ने खुद को तब उड़ा लिया जब पुलिसवालों ने उसे स्टेशन के एंट्री गेट पर रोकने की कोशिश की। डीपीओ के अनुसार, सुरक्षा बल ने इलाके को घेर लिया और घटना की जांच शुरू कर दी।

बौद्ध धर्म की प्रथाओं पर प्रतिबंध का विरोध पड़ा भारी, चीन ने तिब्बती अफसर को दी सख्त सजा

चीन ने पूर्वी तिब्बत के एक वरिष्ठ तिब्बती अधिकारी को कथित तौर पर सख्त सजा देते हुए उनके पद से हटा दिया है। बताया जा रहा है कि द्रुक बुम ग्याल नाम के अफसर ने तिब्बती बौद्ध धार्मिक परंपराओं पर चीन की ओर से लगाए जा रहे नए प्रतिबंधों को तुरंत लागू करने से इनकार कर दिया था। तिब्बती समाचार पोर्टल फयुल (Phayul) ने तिब्बत टाइम्स (Tibet Times) की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया कि वह ड्रक्कार काउंटी में कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव और काउंटी चीफ के रूप में तैनात थे। चीन ने सेरचेन, त्रिका, ड्रक्कार, मंगरा और बा सहित 5 काउंटियों के अफसरों को तिब्बती धार्मिक परंपराओं पर कई नए निर्देश लागू करने का आदेश दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन की सरकार द्वारा जारी इन निर्देशों में न्युंगने (Nyungne) नामक पारंपरिक बौद्ध उपवास और साधना कार्यक्रम के सार्वजनिक आयोजन पर रोक लगाने की बात कही गई थी। इसके अलावा धार्मिक गतिविधियों पर और कड़े नियंत्रण, प्रार्थना झंडों और प्रार्थना बैनरों को हटाने तथा हर घर के बाहर चीन का राष्ट्रीय ध्वज लगाना अनिवार्य करने के निर्देश भी शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, द्रुक बुम ग्याल का मानना था कि यदि इन नियमों को अचानक लागू किया गया तो लोगों में असंतोष फैल सकता है। इसलिए उन्होंने सुझाव दिया कि इन कदमों को धीरे-धीरे लागू किया जाए। बताया जाता है कि इसी कारण वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें सख्त सजा देते हुए उनके नेतृत्व पदों से हटा दिया और कम महत्व वाले पद पर भेज दिया। हालांकि, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्थानीय तिब्बती लोगों ने उनके इस रुख की सराहना की। लोगों का मानना है कि उन्होंने तिब्बती धार्मिक परंपराओं को तत्काल सरकारी हस्तक्षेप से बचाने की कोशिश की। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अप्रैल में हान चीनी अधिकारी श्योंग युआनलाई के त्सोल्हो प्रीफेक्चर के कम्युनिस्ट पार्टी सचिव बनने के बाद यह अभियान और तेज हो गया। रिपोर्ट में इन घटनाओं को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शासन व्यवस्था से भी जोड़ा गया है।

ट्रंप ने कहा ईरान से होर्मुज खोलने पर हो रही बात, तेहरान ने बातचीत से किया इनकार

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही ईरान को "सिर कुचलने से पहले आखिरी मौका" देने की चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये भी दावा किया कि ये अगले एक दिन में संभव है। ओवल ऑफिस में सोमवार को उन्होंने कहा, "वे डील जल्दी करेंगे, चाहे जैसे भी। यह बहुत जटिल नहीं है। हम स्ट्रेट को लेकर बात कर रहे हैं, इसे खोलने की बात, इसे शाब्दिक रूप से कल तक खुला रखने की बात।" हालांकि, ईरान ने कहा है कि अमेरिका से कोई बातचीत नहीं हो रही है। अमेरिका और ईरान के इन दावों के बीच जहाजों के लिए होर्मुज से खुले और स्वतंत्र ट्रांजिट की स्थिति अनिश्चितता में है। तेहरान में एक प्रेस ब्रीफिंग में ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा, "इस समय हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कोई वार्ता नहीं कर रहे हैं।" बाघेई ने कहा कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची को छोड़कर सभी बातचीत करने वाले ईरान में थे। हालांकि, ट्रंप ने ईरानी मंत्री के इस दावे को खारिज करते हुए ट्रुथ सोशल पर लिखा, "ईरानी नेतृत्व अविश्वसनीय रूप से दोहरे चरित्र वाली है। मीटिंग के लिए भीख मांगने के बाद वे खुलेआम और गर्व से कहते हैं कि वे कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं।" बाघेई ने कहा कि ईरान ओमान के साथ परामर्श कर रहा है। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार इसका मकसद इस स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक अस्थायी व्यवस्था करना है। उन्होंने कहा कि यह हमला द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा होता और ईरान ने गिड़गिड़ाते हुए कहा कि हम बात करना चाहते हैं। हम स्ट्रेट को लेकर बात करना चाहते हैं।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में रूट बदलने और नौसेना की नाकेबंदी को लेकर अमेरिकी युद्धपोतों को दी चेतावनी

तेहरान। तेहरान ने चेतावनी दी है कि वह मंजूर शिपिंग कॉरिडोर को बदलने या नौसेना की नाकेबंदी बनाए रखने की कोशिश करने वाले अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सोमवार को कहा कि ईरान ने ऐलान किया है कि वह ऐसे किसी भी अमेरिकी वॉरशिप को टारगेट करेगा जो होर्मुज स्ट्रेट को पार करने के लिए तेहरान द्वारा दिए गए रास्ते से अलग रास्ता अपनाने की कोशिश करेगा। ईरान की सरकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, "हम दूसरा कॉरिडोर खुलने नहीं देंगे। अगर वे (अमेरिकी) वॉरशिप भी तैनात करते हैं, तो भी हम उन्हें निशाना बनाएंगे।" रेजाई ने यह भी चेतावनी दी कि अगर देश ने ईरान पर नौसैनिकों की नाकेबंदी जारी रखा तो वे अमेरिका के जहाजों और बेस को निशाना बनाएंगे। उन्होंने कहा, "अमेरिका के जहाजों और बेस को निश्चित रूप से गंभीर खतरा होगा। हम बैठकर अमेरिका को नौसेना की नाकेबंदी जारी रखते हुए नहीं देखेंगे।" राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले एक-दो दिन में बातचीत शुरू हो जाएगी। उन्होंने धमकी दी थी कि तेहरान के साथ नई प्लान की गई बातचीत ईरान के लिए देश पर खतरनाक हमलों से पहले डील करने का आखिरी मौका है। ईरान ने तुरंत नई बातचीत करने से इनकार करते हुए कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक अभी ओमान के साथ सिर्फ होर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग के लिए एक अस्थायी रास्ते को लेकर एक समझौते पर काम कर रहा है। न्यूज एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, सोमवार को तेहरान में एक न्यूज ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि यह अरेंजमेंट स्ट्रेट में शिपिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले कई अलग-अलग लेन की जगह लेगा। ओमान का विदेश मंत्रालय मंगलवार सुबह से ही बातचीत पर चुप है, न तो उसने सबके सामने इस बात से इनकार किया है और न ही कन्फर्म किया है कि बातचीत चल रही है।

ब्रेक्जिट के छह साल बाद नया विवाद: ब्रिटेन ने ईयू नागरिकों से कहा, 'रेजिडेंसी स्टेटस गलती से दिया गया था'

लंदन। ब्रेक्जिट के वर्षों बाद भी ब्रिटेन में रह रहे यूरोपीय संघ (ईयू) के हजारों नागरिकों की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ब्रिटेन के गृह मंत्रालय (होम ऑफिस) ने कई लोगों को पत्र भेजकर बताया है कि उन्हें पहले जो प्री-सेटल्ड स्टेटस दिया गया था, वह प्रशासनिक गलती का नतीजा था। इस सूचना के बाद नए फरमान की जद में आए लोगों में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। इन खतों में कहा गया है कि संबंधित लोग ब्रेक्जिट की तय समय-सीमा तक आवश्यक पात्रता पूरी नहीं कर पाए थे, इसलिए उन्हें मिला रेजिडेंसी स्टेटस वैध नहीं माना जा सकता। ऐसे में अब उनके ब्रिटेन में रहने के अधिकार की दोबारा समीक्षा की जाएगी। सबसे बड़ी चिंता उन लोगों की है, जो पिछले कई वर्षों से ब्रिटेन में नौकरी कर रहे हैं, टैक्स भर रहे हैं, पढ़ाई कर रहे हैं या अपने परिवार के साथ बस चुके हैं। उन्हें उम्मीद थी कि पांच साल पूरे होने पर उनका प्री-सेटल्ड स्टेटस स्वतः सेटल्ड स्टेटस में बदल जाएगी। लेकिन अब अचानक मिले सरकारी पत्र ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस नए प्रशासनिक कदम के तहत गृह मंत्रालय अब उन लोगों के मामलों की जांच कर रहा है, जिन्हें अपना स्टेटस पूरी तरह से "सेटल्ड स्टेटस" में अपग्रेड करने के लिए अप्लाई करना जरूरी है। इसमें बच्चे, नॉन-यूरोपियन इकोनॉमिक एरिया (ईईए) के नागरिक और 31 दिसंबर 2020 के बाद आए कोई भी व्यक्ति शामिल हैं। पांच पन्नों के पत्र में कहा गया, "हमारे ध्यान में आया है कि आपको 31 दिसंबर 2020 को आधी रात से पहले, जब यूके ने ईयू से कानूनी तौर पर रिश्ते खत्म कर लिए थे।

लश्कर के कमांडर का बड़ा कबूलनामा, 3-4 सालों में "अज्ञात गनमैन" ने मार दिए 30 से ज्यादा आतंकवादी

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के एक शीर्ष कमांडर ने बड़ा कबूलनामा किया है। उसने कबूला है कि पिछले 3 से 4 वर्षों में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में संगठन के 30 से अधिक आतंकवादी "अज्ञात गनमैन" के हाथों मारे गए हैं। इन हत्याओं को मुख्य रूप से रावलकोट, रावलपिंडी, कराची, पेशावर और मुजफ्फराबाद जैसे इलाकों में अंजाम दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में लश्कर के शीर्ष कमांडर रिजवान हनीफ ने इन हत्याओं के लिए सीधे तौर पर भारतीय खुफिया एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, इंडिया टीवी डिजिटल इस वीडियो की सच्चाई की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सकता। वायरल क्लिप में लश्कर कमांडर हनीफ को यह कहते हुए सुना जा सकता है, "भारत की खुफिया एजेंसियों ने उन्हें यहां आजाद कश्मीर में भी चैन से नहीं रहने दिया। अपने एजेंडे के तहत उन्होंने उन्हें मार डाला। यह कोई पहला मामला नहीं है। असल में, पिछले 3 से 4 वर्षों में ऐसी 30 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं।" उसने आगे कहा, "कोई पेशावर में मारा गया, कोई कराची में, कोई रावलपिंडी में, कोई रावलकोट में और कोई मुजफ्फराबाद में।"

उनका कसूर क्या था? उनका एकमात्र दोष यह था कि वे अल्लाह में यकीन करते थे।" हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वीडियो कहां और कब शूट किया गया था, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि यह क्लिप इस साल मई में PoK में लश्कर आतंकवादियों को संबोधित करते समय रिकॉर्ड की गई थी। यह पहली बार है जब किसी लश्कर आतंकवादी ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि हाल के दिनों में उसके इतने सारे आतंकी मारे गए हैं। पाकिस्तान लगातार इन हमलों के लिए भारत पर आरोप लगाता रहा है, जिसे नई दिल्ली ने हमेशा खारिज किया है। भारत ने पाकिस्तान द्वारा लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद (JeM) जैसे आतंकवादी संगठनों को अपनी धरती पर पनाह देने को लेकर कड़ी आलोचना की है। हाल ही में जून में एक अन्य वायरल वीडियो में लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद का बेटा तलहा सईद इस्लामाबाद में एक जनाजे में शामिल होता नजर आया था, जिससे भारत के उन दावों को और पुख्ता कर दिया कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। अमेरिकी कांग्रेस रिसर्च सर्विस (CRS) सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों ने भी अपनी धरती पर आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की है। इन सबके बावजूद, पाकिस्तान आतंकवादियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा है।

अमेरिका के 25 राज्यों ने सेक्शन 301 टैरिफ को लेकर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ दायर किया मुकदमा

न्यूयॉर्क। अमेरिका में 25 राज्यों के एक गठबंधन ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। कोर्ट के एक डॉक्यूमेंट के अनुसार, इसमें कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 60 व्यापारिक साझेदारों के सामान पर बड़े नए टैरिफ लगाकर अपने कानूनी अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है। यह शिकायत यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में दायर की गई है। इसमें हाल ही में लगाए गए शुल्कों को चुनौती दी गई है। प्रभावित देशों से आयात होने वाले ज्यादातर सामानों पर 10 फीसदी या 12.5 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है। राज्यों के अनुसार, ये देश मिलकर अमेरिका के कुल आयात का 99.4 फीसदी हिस्सा हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कोएलिशन कोर्ट से टैरिफ को रोकने, उन्हें गैर-कानूनी घोषित करने और पहले चुकाई गई ड्यूटी के रिफंड का ऑर्डर देने के लिए कह रहा है। कानूनी चुनौती प्रशासन के उस प्रयास पर केंद्रित है जिसके तहत वह ट्रंप की व्यापक टैरिफ व्यवस्था को बरकरार रखना चाहता है, जिसे संघीय अदालतों ने अलग-अलग वैधानिक ढांचों के तहत लागू किए गए दो पहले के संस्करणों को पहले ही खारिज कर दिया था। राज्यों का तर्क है कि फेडरल अधिकारियों ने 1974 के ट्रेड एक्ट के सेक्शन 301 और जबरन मजदूरी की चिंताओं का इस्तेमाल सिर्फ एक बहाने के तौर पर किया ताकि लगभग वैसी ही ग्लोबल ड्यूटी को तेजी से फिर से बनाया जा सके, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में पहले ही खारिज कर दिया था।

ट्रंप की धमकी के बीच ईरान की नई प्लानिंग, होर्मुज को हाईवे की तरह बनाने के लिए ओमान से कर रहा बातचीत

न्यूयॉर्क। तेहरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई के अनुसार, ईरान, होर्मुज स्ट्रेट से होकर एक सिंगल टू-वे रूट बनाने के लिए ओमान के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि जहाज इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजर सकें। न्यूज एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, सोमवार को तेहरान में एक न्यूज ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि यह अरेंजमेंट स्ट्रेट में शिपिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले कई अलग-अलग लेन की जगह लेगा। आईआरएनए ने प्रवक्ता बाघेई की बात को दोहराते हुए कहा, "स्ट्रेट के दोनों तरफ के दो देशों के बीच बातचीत अलग-अलग उत्तरी और दक्षिणी रूट को एक सिंगल इंटरमीडिएट कॉरिडोर से बदलने पर फोकस रही है, जिसे दोनों कोस्टल देशों के हितों और सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।" हालांकि, इस पूरे मामले को लेकर ओमान की तरफ से कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। ओमान का विदेश मंत्रालय मंगलवार सुबह से ही बातचीत पर चुप है, न तो उसने सबके सामने इस बात से इनकार किया है और न ही कन्फर्म किया है कि बातचीत चल रही है। अगर वे जहाजों को स्ट्रेट से फिर से चलने देने के इंतजाम पर राजी हो जाते हैं, तो यह उन देशों और दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद होगा जो ऊर्जा शिपिंग पर रोक की वजह से परेशान हैं। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, बाघेई ने कहा कि बातचीत में कोई दूसरा देश शामिल नहीं था। ऐसे में इस पूरे घटनाक्रम से अमेरिका दरकिनार हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ स्ट्रेट को फिर से खोलने पर बातचीत हो रही है, लेकिन बाघेई ने इससे इनकार किया है।

SPORTS NEWS

Preeti Pawar opens up on setting tone for India's seven-gold boxing triumph in Commonwealth Games

India's boxing contingent won seven gold medals and three silver medals at the Commonwealth Games 2026. Preeti Pawar, who was the first Indian boxer to step into the ring on the final day, secured the women's 54kg gold medal and set the tone for what turned out to be a historic night for the contingent. The Indian boxer defeated Canada's Scarlett Delgado by unanimous decision to hand India their first boxing gold of the Games. Pawar's victory proved to be the perfect start as the rest of the Indian contingent carried the momentum forward. Reflecting on her role as the opening boxer, Pawar said her focus was on ensuring India began the finals on a positive note and also added that she didn't feel any pressure as such despite the first one going out. "I didn't have the pressure of the first bout, but yes, I was determined to give the team a good start and to give my best," Preeti answered India TV's query during a media interaction.

Zaheer Khan, former India pacer, joins LPL's Jaffna franchise as co-owner

Former India cricketer Zaheer Khan has joined the Lanka Premier League's Jaffna franchise as the co-owner. The Jaffna franchise has been acquired by a Stockholm-based international sports ownership group, Anchor Sports AB. Zaheer, the 2011 World Cup winner with India, is co-owner of the group. A report in Cricbuzz confirmed the development, adding that the acquisition has been rebranded as 'Anchor Jaffna Kings', as the franchise enters a new ownership era. The Anchor Sports AB group has been owned by Nagendra Siddoutam along with Zaheer. Speaking on the development, Zaheer was 'thrilled' to have been named the co-owner of the Jaffna franchise. "I've always admired the calibre, innovation and variety of bowling talent that comes out of Sri Lanka — it's a country I've visited, competed in, and hold very fond memories of. To now be part of Sri Lankan cricket as an owner is something I'm genuinely thrilled about, and I can't wait to get started with the Jaffna Anchors," Zaheer said in a statement. Meanwhile, the Chairman and CEO of the Innovative Production Group, Anil Mohan, welcomed the Zaheer Khan co-owned group to the LPL fray.

Chamari Athapaththu reaches career-best rankings, surpasses Shafali Verma after Sri Lanka's win over Pakistan

Sri Lanka captain Chamari Athapaththu achieved her career-best spot in the ICC women's T20I rankings for batters after helping her team beat Pakistan in the three-match T20I series on Tuesday, August 4. Athapaththu scored 39 off 22 balls and 40 off 15 deliveries in the first two T20Is to seal the series against the Women in Green. She made 34 from 33 deliveries in the third and final T20I of the series, which Pakistan won in a consolation victory in Dambulla. Her exploits in the series saw the 36-year-old achieve her career-best place in the ICC T20I batters' rankings, jumping a place to sixth. Her performances in the series saw Athapaththu move from seventh place to the sixth spot in the standings. She moved past India's Shafali Verma and now has a rating of 729 and sits behind India vice-captain Smriti Mandhana, who has a rating of 746. Australia star wicketkeeper batter Beth Mooney leads the rankings with a 785 rating, followed by her compatriot Georgia Voll in second, Laura Wolvaardt in third and Hayley Matthews in fourth. Meanwhile, centurion from the first T20I, Imesha Dulani, made huge jumps in the T20I rankings. She made an unbeaten 101 in the first match to help her team chase down 177 in the opener. The opening batter became just the second Sri Lankan to score a century in T20Is and has now been rewarded big for her effort.

Sai Sudharsan to miss first Test against Sri Lanka? Report hints another setback for India

India have been dealing with multiple injury concerns as they gear up to face Sri Lanka in a two-match Test series from August 15 onwards. The Shubman Gill-led side will be missing out on their talisman Jasprit Bumrah, who has been ruled out of the series due to a knee injury he picked up during the England ODIs last month. Moreover, India will also be without Washington Sundar for at least the first Test as he suffered a hamstring injury in the England series. Harshit Rana, Nitish Kumar Reddy and Akash Deep are also on the mend from their respective injuries. Meanwhile, India can now be without their No.3 Sai Sudharsan, who has been recuperating from a toe injury he picked up during India A's tour of Sri Lanka earlier. Sudharsan has been named in India's squad for the Test series against Sri Lanka, but his participation is already subject to fitness clearance from the BCCI Centre of Excellence due to the injury. As per the latest report in news agency PTI, Sudharsan might miss out on the first Test in the two-match series against Sri Lanka. Sudharsan is currently at the BCCI CoE and did not travel with the Indian team on Tuesday, August 4. He is recovering from his issue at the CoE and the BCCI is in no mood to rush him into action, especially after seeing Harshit Rana's case. ”Sudharsan is training at the Centre of Excellence (COE) and has been batting in the nets for more than an hour while recovering from a toe injury. A final decision on his availability to play will be made only after his condition is monitored over the next three to four days," a source told news agency PTI. ”It is important to ensure that he is completely fit before returning to international cricket. We do not want a situation like the one with Harshit Rana, who suffered another injury soon after returning to top-level cricket," it added. The report further stated that the team expects Sudharsan to join the team ahead of the second Test of the series, which will begin on August 23 in Colombo. India's injury list continues to grow ahead of the upcoming Test series against Sri Lanka, posing a significant challenge for the team management as they prepare for the opening match on August 15. With several key players already unavailable, another injury concern has emerged, as young batter Sai Sudharsan is now doubtful for the first Test due to a toe injury.

Star batter missing as Team India reaches Sri Lanka for Test series in bid to revive WTC campaign

The Shubman Gill-led Indian team on Tuesday landed in Sri Lanka ahead of a crucial two-match Test series, beginning August 15. Sri Lanka Cricket shared pictures of the Indian side reaching the island nation for the series, which is very crucial for both sides in the context of the World Test Championship final. However, one crucial member missing from the team that reached the island nation was reportedly Sai Sudharsan. As per a report in Sportsar, Sudharsan did not travel with the Indian team on August 4 as he is rehabilitating from his injury at the BCCI CoE in Bengaluru. Sudharsan suffered a toe injury during the Vijay Hazare Trophy and is rehabilitating at the BCCI CoE in Bengaluru and was not on the flight that reached the island nation. He was named in India's squad for the two-match series subject to fitness clearance as India hope he recovers in time for the series. India will be playing two crucial Tests from August 15-19 (Galle) and from August 23 to 27 (Colombo). Ahead of the series, the Shubman Gill-led side will also be playing in a three-day warm-up match against a Sri Lanka XI team at the Nondescripts Cricket Club Ground in Colombo, starting from August 7. The warm-up fixture was initially scheduled to span four days, but was reduced to three, with SLC confirming the same through a social media post. "Team India will play a 3-day warm-up game instead of the originally scheduled four-day fixture," SLC said in a social media post on August 2. Ahead of the assignment, the Men in Blue have hit the Sri Lankan shores. In the pictures shared by the SLC, Gill is seen leading his troops with bags in their hands and smiles flowing all across. Meanwhile, India are in a precarious position in the WTC 2025-27 points table.

'I want to change the colour of my medal': Lovlina Borgohain eyes Asian Games glory after 2023 Asiad silver

Lovlina Borgohain won a medal in the only major event that was missing from her illustrious cabinet when she clinched a silver during the Glasgow Commonwealth Games 2026. Lovlina, the 2023 world champion, lost out on a gold in the 75kg category in Glasgow and settled for silver, but now eyes glory at the Asian Games. She has a silver medal at the Asiad, but she wants to change the colour of the medal she won in the 75kg category in the Hangzhou Games 2023. As she landed in India after another strong display, Lovlina has quickly shifted her focus to the Aichi Nagoya Asian Games, set to be played from September 19 to October 4. "Now, looking ahead to the Asian Games, I won silver last time, so I want to change the colour of that medal. I will certainly work even harder and strive to bring home the gold next time," Borgohain told news agency ANI. Meanwhile, the Assamese boxer stated that she would have wanted to win a gold medal at the Glasgow Games but is 'truly happy' with the silver she won in the Scottish city. The minister congratulated the boxers and awarded prize money to the boxing medallists.

Babar Azam's near four-year wait for Test century continues as Pakistan skipper misses ton in bizarre fashion

Babar Azam agonisingly missed out on a Test hundred again as he was dismissed in a bizarre fashion during the second Test against West Indies in Port of Spain. Babar, who was reinstated as Test captain last month, was run out in the first innings of the second Test against the West Indies on 88, marking the continuation of his near four-year drought of a triple-figure mark in the format. Babar last hit a Test hundred during Pakistan's home series against New Zealand. The 31-year-old hit a masterful 161 in the first Test of the two-match series in Karachi on December 26, 2022. Since then, he has played in 35 Test innings but has not got to the triple-digit mark even once. In this time, Babar has hit seven fifties, with his highest being today's 88, seven more than he made against South Africa in Cape Town last year. Babar added only two runs from his overnight total of 86 and was run out on 88 when he was trying to take a single off of Jomel Warrican in the 75th over of the innings. Babar pushed a fuller one from left-arm spinner towards the covers and sent off for a run, which was denied by Abdullah Shafique. However, Babar was halfway down the crease, and while he turned back and put in a dive, he could not make it back to the crease as Brandon King caught him short.

Ben Stokes plans to become England head coach, questions Joe Root's appointment as captain over Harry Brook

Former England captain Ben Stokes has revealed that he wants to return to the national setup as a coach after the end of his playing career. The all-rounder announced his retirement from international cricket during the third Test against New Zealand last month and since then, has featured heavily in domestic cricket and, interestingly, is also completing his coaching degree. Stokes mentioned that coaching is the direction he intends to pursue in the long run. He revealed to be completing level three coaching and wants to take charge of the England team in the future. Following Stokes' retirement, England appointed Joe Root as Test captain instead of Harry Brook, despite Brook serving as vice-captain until that point. He now begins a second stint alongside new Test coach Stephen Fleming.

Pakistan appoint former South Africa cricketer as new batting coach

Former South African cricketer Michael Smith has been appointed as the batting coach of the Pakistan men's team. The Pakistan Cricket Board (PCB) has confirmed the latest development on Tuesday morning via an official statement. They also confirmed that Smith will work with the side across all three formats, covering both red-ball and white-ball cricket. Notably, the 46-year-old has been handed a two-year contract and will join the Pakistan team ahead of their upcoming three-match Test series against England, scheduled to begin on August 19.

The team management and the selectors were reportedly concerned about the current batting standard of the team and hence, to strengthen the core and improve consistency across formats, Smith was brought in.

किडनी को उम्रभर स्वस्थ रखना है तो अपनाएं ये 5 आदतें, छोटी लापरवाही बन सकती है बड़ी बीमारी की वजह

शरीर को स्वस्थ रखने की बात आती है तो ज्यादातर लोग दिल, फेफड़ों और वजन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन किडनी की सेहत अक्सर नजरअंदाज हो जाती है, जबकि किडनी शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक है, जो बिना रुके हर दिन अपना काम करती रहती है। यह खून को साफ करने, शरीर में मौजूद बेकार पदार्थों को बाहर निकालने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। किडनी में परेशानी धीरे-धीरे बढ़ती है और शुरुआती दौर में कई बार इसके लक्षण साफ नजर नहीं आते, लेकिन कुछ सामान्य आदतों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाकर किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है। किडनी की सेहत के लिए सबसे जरूरी आदतों में से एक है शरीर में पानी की सही मात्रा बनाए रखना। पानी की कमी होने पर किडनी को खून से अपशिष्ट पदार्थों को निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। पर्याप्त पानी पीने से पेशाब के जरिए शरीर से अनावश्यक तत्व निकलते रहते हैं और किडनी पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता। हालांकि हर व्यक्ति की पानी की जरूरत अलग हो सकती है, क्योंकि यह उम्र, मौसम, काम की प्रकृति और शरीर की स्थिति पर निर्भर करती है। गर्मी में ज्यादा पसीना निकलने वाले लोगों को ज्यादा पानी की जरूरत हो सकती है, जबकि कुछ बीमारियों में डॉक्टर पानी की मात्रा सीमित करने की सलाह भी देते हैं। किडनी को सुरक्षित रखने के लिए ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखना भी बेहद जरूरी है। लंबे समय तक बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर किडनी की महीन रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे उनकी काम करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी की बीमारी का संबंध दोनों तरफ से होता है।

रोज करें गरुड़ासन, मजबूत होंगे हाथ-पैर और दूर होगी शरीर की जकड़न

स्वस्थ शरीर के लिए रोजाना योगासन और संतुलित आहार जरूरी है। योग में गरुड़ासन एक ऐसा आसन है जो शरीर को लचीलापन और मजबूती देता है। खासकर बच्चों के शारीरिक विकास और सेहत के लिए योग एक आसान और बहुत लाभकारी तरीका माना जाता है। गरुड़ासन का नाम 'गरुड़' शब्द पर रखा गया है। 'गरुड़' का मतलब होता है 'चील'। इस आसन में आप चील की मुद्रा में होते हैं, इसलिए इसका नाम 'गरुड़ासन' दिया गया है। अंग्रेजी में इसे ईगल पोज कहा जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार गरुड़ासन संतुलन, एकाग्रता और शारीरिक मजबूती को बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है, जो हाथ-पैर की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इसके साथ ही, यह टखनों, पिंडलियों, जांघों और कंधों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। पैरों और कूल्हों में जकड़न दूर करता है। संतुलन और एकाग्रता में सुधार लाता है। कंधों और ऊपरी पीठ की अकड़न को भी दूर करता है। नसों को सक्रिय कर नर्वस सिस्टम को बेहतर बनाता है। गरुड़ासन को करने के लिए पहले आप ताड़ासन मुद्रा में आराम से खड़े हो जाएं। इस दौरान आप सामान्य रूप से सांस लेते रहें। अब अपने घुटनों को थोड़ा मोड़ें और दोनों हाथों को सामने की ओर लाएं। अब पूरे शरीर का संतुलन दाएं पैर पर लें और बाएं पैर को ऊपर की ओर उठाएं। इसके बाद बाएं पैर को दाईं टांग के आगे से घुमाते हुए पीछे की ओर ले जाएं। इस स्थिति में बाईं जांघ दाईं जांघ के ऊपर रहेगी। इसके बाद आपको दोनों बाजुओं को कोहनी से मोड़ते हुए क्रॉस करना है। इस दौरान बाईं बाजू को दाईं बाजू के ऊपर रखना है। फिर आपको दोनों हथेलियों को नमस्कार मुद्रा में लाने की कोशिश करनी है।

गट माइक्रोबायोम में बदलाव से कीमोथेरेपी हो सकती है ज्यादा असरदार, नई स्टडी में खुलासा

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कीमोथेरेपी को और ज्यादा असरदार बनाने की दिशा में वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी तकनीक खोजी है, जिससे शरीर में मौजूद आंतों के बैक्टीरिया यानी गट माइक्रोबायोम में बदलाव कर कीमोथेरेपी की दवाओं को ट्यूमर तक अधिक मात्रा में पहुंचाया जा सकता है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल नेचर मैटेरियल्स में प्रकाशित हुआ है। दरअसल, आजकल कई तरह के कैंसर के इलाज में नैनोपार्टिकल-आधारित कीमोथेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें दवा को बेहद छोटे कणों में पैक करके शरीर में भेजा जाता है, ताकि वह सीधे ट्यूमर तक पहुंच सके। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि दवा का बड़ा हिस्सा ट्यूमर तक पहुंचने से पहले ही लिवर साफ कर देता है। लिवर में मौजूद खास प्रतिरक्षा कोशिकाएं, जिन्हें कुफ्फर सेल्स कहा जाता है, इन दवा कणों को खून से तेजी से हटाने लगती हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मरीज को दी गई दवा का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। शोधकर्ताओं ने पाया कि इस पूरी प्रक्रिया में हमारी आंतों के बैक्टीरिया की भी बड़ी भूमिका होती है। ये बैक्टीरिया बाइल एसिड नामक रसायन बनाते हैं, जो लिवर की कोशिकाओं को संकेत भेजते हैं कि वे दवा को कितनी तेजी से साफ करें। रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने मेट्रोनिडाजोल नाम की एक सामान्य एंटीबायोटिक का सीमित समय के लिए इस्तेमाल किया। इससे कुछ खास तरह के बैक्टीरिया कम हो गए और बाइल एसिड का स्तर भी घट गया। इसके बाद लिवर की कुफ्फर कोशिकाएं कम सक्रिय हो गईं और उन्होंने दवा को पहले की तुलना में बहुत कम मात्रा में हटाया। इसका फायदा यह हुआ कि कीमोथेरेपी की दवा शरीर में लगभग दोगुने समय तक बनी रही। इससे दवा ज्यादा मात्रा में ट्यूमर तक पहुंची, ट्यूमर की वृद्धि धीमी हुई और कई प्रकार के कैंसर के प्रीक्लिनिकल मॉडल में मरीजों के जीवित रहने की अवधि भी बढ़ी। यह असर कोलन, ब्रेस्ट, मेलानोमा और पैंक्रियाटिक कैंसर जैसे कई कैंसर मॉडलों में देखा गया। वैज्ञानिकों ने यह भी जांचा कि यह असर एंटीबायोटिक की वजह से हुआ या वास्तव में गट माइक्रोबायोम की वजह से। इसके लिए उन्होंने फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट (एफएमटी) का प्रयोग किया।

डिलीवरी के बाद जल्दी रिकवरी और ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने में मदद करे सकते हैं ये सुपरफूड्स

ब्रेस्टफीडिंग एक बच्चे के लिए जीतना जरूरी है उससे भी कहीं ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी मां के लिए भी हो जाती है। इस दौरान मां के शरीर को अच्छी एनर्जी, बैलेंस्ड न्यूट्रिशन और पर्याप्त आराम की जरूरत होती है। चंडीगढ़ स्थित कोकून हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट- ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, डॉ. प्रियंका शर्मा, कहती हैं कि मां बनी महिलाओं के लिए सही डाइट इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि यह ब्रेस्ट मिल्क के प्रोडक्शन को सपोर्ट करने के साथ-साथ डिलीवरी के बाद बॉडी की रिकवरी को भी तेज करने में मदद करती है। तो आइए जानते हैं ऐसे सुपरफूड्स के बारे में, जो नेचुरली ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने और नई मां की सेहत बेहतर बनाने में मददगार माने जाते हैं।

ओट्सः ओट्स को ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने वाले सबसे अच्छे फूड्स में माना जाता है। इनमें आयरन, कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। आयरन डिलीवरी के बाद होने वाली एनीमिया की समस्या से बचाने में मदद करता है, जबकि ओट्स प्रोलैक्टिन हार्मोन के प्रोडक्शन को सपोर्ट करते हैं, जो ब्रेस्ट मिल्क बनने में अहम भूमिका निभाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियांः पालक, मेथी और केल जैसी ग्रीन लीफी वेजिटेबल्स फाइटोएस्ट्रोजेन, कैल्शियम, आयरन और फोलेट से भरपूर होती हैं। ये हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने, मिल्क प्रोड्यूस करने वाली ग्लैंड्स के बेहतर फंक्शन और प्रेग्नेंसी के दौरान हुई न्यूट्रिशन की कमी को पूरा करने में मदद करती हैं।

मेवे और बीजः बादाम, चिया सीड्स और फ्लैक्स सीड्स हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन ई और ओमेगा-3 फैटी एसिड के अच्छे स्रोत हैं। ये न सिर्फ मां की हेल्थ को बेहतर बनाते हैं, बल्कि ब्रेस्ट मिल्क की न्यूट्रिशनल क्वालिटी भी बढ़ाते हैं। ओमेगा-3 शिशु के ब्रेन और नर्वस सिस्टम के बेहतर डेवलपमेंट में मदद करता है।

लहसुन और अदरकः लहसुन और अदरक में एंटी-इन्फ्लेमेटरी और इम्यूनिटी बूस्ट करने वाले गुण होते हैं, जो डिलीवरी के बाद रिकवरी में मदद करते हैं। पारंपरिक तौर पर इन्हें ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने वाले नेचुरल फूड्स के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। माना जाता है कि लहसुन दूध के स्वाद में हल्का बदलाव लाता है, जिससे कुछ शिशु ज्यादा देर तक ब्रेस्टफीडिंग करते हैं।

काजल लगाने से आ गई ऑपरेशन की नौबत, डर्मेटोलॉजिस्ट ने बताया ऐसे लगाएंगे तो होगा कम नुकसान

आजकल काजल लगाना फैशन बन चुका है। डॉक्टर भले ही बच्चों को काजल नहीं लगाने की सलाह देते हैं लेकिन बड़े होकर लड़कियां उसी काजल के बिना घर से बाहर नहीं निकलतीं। काजल से आंखें खूबसूरत लगती हैं लेकिन अगर लंबे समय तक काजल लगाकर रखा जाए और इसे ठीक से साफ न किया जाए तो इससे आंखों में परेशानी हो सकती है। इंस्टाग्राम पर डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर आंचल पंथ ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें काजल लगाने से एक लड़की की आंख का ऑपरेशन होने तक की नौबत आ गई है। जानिए काजल लगाना कितना खतरनाक है?

डर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर आंचल पंथ ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो बता रही हैं कि अगर आंखों से काजल को ठीक तरीके से हटाया न जाए तो ये गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। खासकर तब जब काजल को लंबे समय तक लगाए रखा जाए या ठीक से हटाया न जाए।

दरअसल हमारी पलकों के किनारे पर छोटी-छोटी 'मीबोमियन ग्रंथियां' (meibomian glands) होती हैं। ये ग्रंथियां ऐसा तेल बनाती हैं जो आंखों की नमी बनाए रखने और आंसुओं को जल्दी सूखने से बचाने के लिए जरूरी होता है।आंख के अंदरूनी किनारे यानि वाटर लाइन पर काजल लगाने से इन ग्रंथियों के छेद बंद हो सकते हैं। समय के साथ काजल के कण, वैक्स, तेल और बाहर की गंदगी इन छेदों के आस-पास जमा हो सकती है, जिससे तेल का सामान्य बहाव रुक जाता है। काजल को मेकअप का सामान हर 3-6 महीने में बदलें और इसे कभी भी दूसरों के साथ शेयर न करें।

चॉकलेट, चिप्स या मीठा खाने की क्रेविंग का क्या है मतलब?

कई बार हमें मीठा, चॉकलेट या कुछ सॉल्टी चीजें खाने की क्रेविंग होती है। यह जानते हुए कि मीठा या पैक्ड फूड्स हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं हम सभी अपनी क्रेविंग्स को शांत करने के लिए इनका सेवन करते हैं। लेकिन जब भी आपको इस तरह की चीजों को खाने का मन करता है तो हो सकता है आपका शरीर किसी खास पोषक तत्व की मांग कर रहा हो।

न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि रोजाना होने वाली इन क्रेविंग्स को कैसे समझें ताकि आप अपने शरीर को वही दें जिसकी उसे असल में जरूरत है। उन्होंने कहा क्रेविंग्स आपके शरीर का बेहतर न्यूट्रिएंट्स मांगने का एक तरीका है। बस आपको समझदारी से इसकी बात सुननी होगी।

चॉकलेटः अगर आपको चॉकलेट खाने का मन कर रहा है तो इसका मतलब है कि आपके शरीर को उस समय मैग्नीशियम चाहिए। मैग्नीशियम की कमी को पूरा करने के लिए आप, काजू, कद्दू के बीज, पालक और बीन्स का सेवन करना चाहिए। हालांकि, चॉकलेट में थोड़ी मात्रा में मैग्नीशियम होता है, लेकिन इसमें अक्सर रिफाइंड शुगर और फैट भी ज्यादा होता है। इसलिए इसे खाना अवॉयड करना चाहिए।

रोजाना कितने अखरोट खाना चाहिए? जान लें फायदे और सेवन का सही तरीका

अखरोट को ड्राई फ्रूट्स का 'किंग' माना जाता है। दिमाग की तरह दिखने वाला यह नट सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट्स, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-ई और मिनरल्स शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन किसी भी चीज का फायदा तो तब मिलता है जब उसका सही तरीके और सही मात्रा में सेवन किया जाए। अगर आप अखरोट को अपनी दिनचर्या में सही तरीके से शामिल करते हैं, तो यह आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधार सकता है। यहां हम जानेंगे कि रोजाना कितने अखरोट खाना चाहिए और इसके सेवन से क्या क्या फायदे मिलते हैं और सेवन का सही तरीका क्या है। रोजाना कितने अखरोट खाने चाहिए?

किसी भी चीज की अति नुकसानदायक हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स रोजाना 1 से 2 अखरोट (लगभग 28-30 ग्राम) खाने की सलाह देते हैं। बच्चे रोजाना 1 साबुत अखरोट खा सकते हैं।

दिमाग को रखे तेजः अखरोट में भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करता है। यह याददाश्त बढ़ाने और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर से बचाने में मदद करता है।

दिल की सेहत में सुधारः इसमें मौजूद अल्फा-लिनोलेनिक एसिड खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है, जिससे दिल के दौरे का खतरा घटता है।

वजन नियंत्रित करेः फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होने के कारण इसे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जो ओवरईटिंग से बचाकर वजन घटाने में मदद करता है।

शारीरिक जीवन शक्ति को बढ़ाने वाले गुणों से भरपूर तुलसी

तुलसी विटामिन और मिनरल से भरपूर एक औषधीय पौधा है। बीमारियों को ठीक करने और शारीरिक जीवन शक्ति को बढ़ाने वाले गुणों से भरपूर तुलसी के पौधे को धरती पर ईश्वर का अवतार माना जाता है, क्योंकि आयुर्वेद और धर्म ग्रंथों में मानवता के लिए इससे अधिक फायदेमंद कोई दूसरी औषधीय पौधा नहीं है। सिर्फ इतना ही नहीं धार्मिक महत्व की वजह से आपको हर घर के आंगन में तुलसी का पौधा मिल जाएगा। तुलसी की कई किस्में मौजूद हैं, जिनमें 'श्वेता' और 'कृष्णा' सबसे ज्यादा होती हैं। इन्हें लोग रामा तुलसी और कृष्णा तुलसी भी कहते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा से जानते हैं आयुर्वेद में तुलसी को इतना फायदेमंद क्यों माना गया है। आयुर्वेद में तुलसी को कई औषधियों में इस्तेमाल किया जाता है। "चरक संहिता" और "सुश्रुत संहिता" में तुलसी के गुणों का विस्तृत विवरण मिलता है। "श्वासे तुलसी हितं"- यानि तुलसी श्वसन क्रिया के लिए फायदेमंद है। "तुलसी मनःप्रसादनं"- यानि तुलसी मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देती है।

"अमृततुल्यं तुलसी"- इम्यूनिटी को मजबूत करने में तुलसी अमृत के बराबर है। तुलसी का इस्तेमाल करने से पेट में एसिड का संतुलन बेहतर होता है।

तेजी से पचने लगेगा शुगर, बस डायबिटीज के मरीज छाछ के साथ मिलाकर लें ये चीज

डायबिटीज में त्रिफलाः डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसमें शुगर का बैलेंस न होना कई सारी समस्याओं का कारण बन सकता है। ये न सिर्फ शुगर के लक्षणों को बढ़ावा देता है बल्कि, ये दूसरी बीमारियों का भी कारण बन सकता है। जैसे लिवर और किडनी को डैमेज करना और फिर दूसरे अंगों को भी प्रभावित करना। ऐसे में जरूरी ये है कि आप शुरुआत से ही शुगर मैनेज करने के बारे में सोचें और इसके लिए काम करें। ऐसे में छाछ में त्रिफला मिलाकर लेना (triphala with chach for diabetes patients) काफी कारगर तरीके से काम कर सकता है। क्यों और कैसे, जानते हैं इस बारे में विस्तार से। त्रिफला में मौजूद एक घटक टर्मिनलिया बेलिरिका (Terminalia bellirica) में मधुमेहरोधी क्षमता होती है। यह पौधा गैलिक एसिड से समृद्ध है, जो एक फाइटोकेमिकल है और यह इंसुलिन प्रतिरोध में सुधार कर सकता है, जिससे कोशिकाओं को ब्लड शुगर को अवशोषित करने में मदद मिलती है। डायबिटीज में आप छाछ में त्रिफला चूर्ण मिलाकर लेना शुगर मेटाबोलिज्म में तेजी ला सकता है। ये आपके पेनक्रियाज के कामकाज को बेहतर बनाता है और फिर इंसुलिन के प्रोडक्शन में तेजी लाता है। इससे होता ये है कि जब आप खाते हैं और इससे जितना भी शुगर निकलता है, त्रिफला छाछ इसे पचाने में मदद करता है।

वजन घटाने के लिए फॉलो करें ये अमेरिकन डाइट प्लान, हफ्तेभर में कम हो जाएगा कई किलो वजन

मोटापा कम करने का प्लान कर रहे हैं, तो एक्सरसाइज के साथ-साथ डाइट भी फॉलो करें। पहला दिन- पहले दिन डाइट में सिर्फ फल शामिल करने हैं। आप कोई भी फल ले सकते हैं। हां आपको अंगूर, केला, लीची और आम जैसे मीठे फलों का सेवन नहीं करना है। पहले दिन पानी भरपूर पीना है आपको दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना है। दिनभर में आप कितनी भी मात्रा में फल खा सकते हैं। खासतौर से खरबूजा और तरबूज डाइट में जरूर शामिल करें। आपकी बॉडी आने वाले दिनों के लिए खुद को तैयार करती है।

दूसरा दिन- आप सिर्फ सब्जियां खानी हैं। आप चाहें तो कच्ची या उबली हुई किसी भी तरह सब्जियां खा सकते हैं। दिनभर में कितनी भी सब्जी खा सकते हैं। दिन की शुरुआत यानि ब्रेकफास्ट में एक मीडियम उबला खा लें। दिनभर फिर आपको आलू नहीं खाना है। आप सलाद या सूप के रूप में सब्जियों को डाइट में शामिल कर सकते हैं। आपको दिन में 8 गिलास पानी जरूर पीना है।

तीसरा दिन- तीसरे दिन आपको मिक्स यानि फल और सब्जियां दोनों खानी हैं। आप फल और सब्जियों को दिनभर के मील में बांट सकते हैं। जैसे सुबह फल खा लें और लंच में सब्जियां और सलाद खा लें। डिनर में सब्जियों का सूप पी लें और दिनभर में खूब पानी पिएं।

चौथा दिन- इस दिन आपको दूध और केला का सेवन करना है। दिनभर में 8 केला आप खा सकते हैं। इसके अलावा 3 ग्लास दूध भी पी सकते हैं। ध्यान रहे दूध में चीनी मिक्स नहीं होनी चाहिए। अगर आपको दिनभर में यही खाकर बोरियत हो रही है तो वेजिटेबल सूप भी एक बार पी सकते हैं। पानी की मात्रा इस दिन 2 गिलास और बढ़ा देनी है। यानि आपको दिनभर में 10 गिलास पानी पीना है।

पांचवा दिन- इस दिन आपको टमाटर डाइट में शामिल करने हैं। दिनभर में आप कम से कम 6 टमाटर खाएं। अब पानी की मात्रा बढ़ाकर आपको 15 गिलास करनी है। आप कच्चा टमाटर खाकर बोर हो रहे हैं तो टमाटर का सूप बनाकर भी पी सकते हैं। लंच या डिनर में 1 कप ब्राउन राइस और थोड़ा चिकन या पनीर ले सकते हैं।

छठवां दिन- इस दिन आपको खाने में अंकुरित अनाज और आलू को शामिल नहीं करना है। इसके अलावा दूसरी सब्जियां खा सकते हैं। आपको इस दिन टमाटर नहीं खाने हैं। आप मिक्स वेजिटेबल सूप पी सकते हैं। लंच में करीब 2 कप ब्राउन राइस और पनीर या चिकन भी ले सकते हैं।

सातवां दिन- इस दिन आप खाने में सारी सब्जियां और एक कटोरी ब्राउन राइस का सेवन कर सकते हैं। आप चाहें तो फ्रूट जूस भी पी सकते हैं। इस दिन आपको 12 से 14 गिलास पानी पीना है। आपकी बॉडी 7 दिनों में एकदम डिटॉक्स हो जाएगी।

उत्तर प्रदेश रोडवेज की बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को मिलेगी निःशुल्क यात्रा सुविधा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को अब रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने निर्णायक कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम अनुपूरक बजट में राज्य सड़क परिवहन निगम को इस व्यवस्था के लिए प्रतिकर भुगतान के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। भाजपा ने अपने लोक कल्याण संकल्प पत्र में इसका वादा किया था। इसके साथ ही महिला कल्याण विभाग के लिए 1094.40 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराते हुए निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना तथा महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को भी सुदृढ़ किया गया है। यह प्रावधान महिला सुरक्षा, सम्मान, सामाजिक संरक्षण और आर्थिक सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। प्रदेश सरकार ने महिला कल्याण विभाग के लिए भी अनुपूरक बजट में 1094.40 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया है। पति की मृत्यु के बाद आर्थिक संकट का सामना कर रही महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित निराश्रित महिला पेंशन योजना के लिए 930 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। इससे प्रदेश की बड़ी संख्या में पात्र महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल मिलता रहेगा।

केजरीवाल ने PM आवास तक मार्च निकाला, पुलिस ने रोका

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व CM और आम आदमी पार्टी (AAP) संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को E20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य AAP नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। AAP ने करीब 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यह मार्च निकाला था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं। मार्च के दौरान केजरीवाल ने कहा कि E20 के खिलाफ 2 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखी है, जिन्हें वे खुद प्रधानमंत्री को सौंपना चाहते थे लेकिन हमें पुलिस ने रोक दिया। हमने सभी चिट्ठियां पुलिस के हाथों मोदी जी को भेज दी हैं। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को मैसेज भेजा था। उन्होंने कहा- हमें उम्मीद है कि पीएम हमसे मिलेंगे। दिल्ली AAP अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा- हम 2 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं लेकर आए हैं। हमें आगे जाने दिया जाना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने भारी पुलिस बल की तैनाती पर भी सवाल उठाया।

चढ़ावा चोरी विवाद के 2 महीने बाद अयोध्या में दिखे चंपत राय : कैमरे बंद करा , बोले— मरते दम तक यहीं रहूंगा

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के चढ़ावा चोरी विवाद और इस्तीफे के करीब दो महीने बाद पूर्व महासचिव चंपत राय मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक रूप से अयोध्या में नजर आए। वे राम मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित तपस्वी छावनी पहुंचे, जहां उन्होंने जगद्गुरु परमहंस आचार्य से बंद कमरे में मुलाकात की। मंदिर में प्रवेश के दौरान जब मीडियाकर्मियों ने फोटो और वीडियो बनाने का प्रयास किया, तो चंपत राय ने उंगली से इशारा कर अपने साथियों से कैमरे बंद करा दिए। मुलाकात के बाद जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने बताया कि चंपत राय ने उनका निवेदन स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि उनका आना-जाना भले ही कहीं भी रहे, लेकिन उनका मुख्य निवास अयोध्या ही रहेगा और वे अपनी अंतिम सांस तक यहीं रहेंगे।

परमहंस आचार्य ने चंपत राय का बचाव करते हुए कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के कारण कुछ लोग उनका विरोध कर रहे हैं, जबकि पूरे सनातन समाज में उनका सम्मान है। इस्तीफा और नया पदभारः चढ़ावा चोरी का मामला 6 जून 2026 को सामने आया था। इसके बाद चंपत राय ने 26 जून को इस्तीफा दिया, जिसे 6 जुलाई को ट्रस्ट की बैठक में स्वीकार कर लिया गया। वर्तमान में रिटायर्ड IFS कृष्ण मोहन कार्यवाहक महासचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। नए महासचिव और CEO की प्रक्रियाः 2 सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की आगामी बैठक में विहिप नेता बजरंग लाल बागड़ा को नया महासचिव घोषित किया जा सकता है।

वहीं मंदिर के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) पद के लिए पूर्व IPS अमिताभ ठाकुर सहित 5 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3 नाम शॉर्टलिस्ट किए जाएंगे। आरोपी जेल मेंः इस मामले में चंपत राय के पूर्व ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर फैजाबाद जेल भेजा जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, चंपत राय की अयोध्या यात्रा को लेकर धार्मिक और सामाजिक हलकों में दिनभर चर्चाएं होती रहीं। हालांकि उन्होंने मीडिया से कोई औपचारिक बातचीत नहीं की, लेकिन उनकी तपस्वी छावनी में मौजूदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुलाकात के दौरान मंदिर से जुड़े विभिन्न विषयों और भविष्य की व्यवस्थाओं पर भी चर्चा होने की संभावना जताई गई।

इस बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में नए महासचिव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं। ट्रस्ट की आगामी बैठक में संगठनात्मक जिम्मेदारियों को लेकर अहम निर्णय लिए जा सकते हैं।

माना जा रहा है कि नई नियुक्तियों के बाद मंदिर निर्माण, प्रशासनिक कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्यों को नई गति मिलेगी।

चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच भी संबंधित एजेंसियों द्वारा जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों की गहन जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। अब तक गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में विधिक प्रक्रिया जारी है।

चतरा में दुष्कर्म के आरोपी को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

चतरा। झारखंड के चतरा जिले में दुष्कर्म के एक आरोपी युवक की ग्रामीणों की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना टंडवा थाना क्षेत्र के बड़गांव की है। आरोपी के पिता के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। आरोप है कि गांव की एक नाबालिग लड़की सोमवार की शाम घर से बाहर गई थी। इसी दौरान मोहम्मद इमरोज ने उसका अपहरण कर दुष्कर्म किया।

मंगलवार को लड़की बदहवास हालत में घर लौटी और परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण आरोपी के घर पहुंच गए। आरोप है कि भीड़ ने इमरोज को घर से बाहर निकालकर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके पिता के साथ भी मारपीट की गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्हें कुछ देर तक खंभे से बांधकर रखा गया और उनकी भी पिटाई की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद घायल इमरोज को भीड़ से छुड़ाकर टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

उद्योगपति अनिल धींवा ने डॉ. मुरली मनोहर जोशी से लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली।(विनोद धायल) उद्योगपति अनिल धींवा ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक पुरोधा, पूर्व केंद्रीय मानव संसाधन विकास (शिक्षा) मंत्री एवं श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख अग्रदूत मुरली मनोहर जोशी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान अनिल धींवा ने डॉ. जोशी के साथ विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्नत आयु के बावजूद डॉ. जोशी की वैचारिक स्पष्टता, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अद्भुत स्मरणशक्ति आज भी हर पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। धींवा ने कहा कि डॉ. मुरली मनोहर जोशी का व्यक्तित्व और राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पण भारतीय जनमानस के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे युगदृष्टा और प्रखर विचारक का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए अविस्मरणीय और गौरवपूर्ण क्षण रहा। भेंट के दौरान अनिल धींवा ने डॉ. जोशी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए उनके मार्गदर्शन को राष्ट्र और समाज के लिए अमूल्य बताया।

भेंट के दौरान दोनों के बीच राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, सामाजिक मूल्यों और वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। अनिल धींवा ने कहा कि डॉ. मुरली मनोहर जोशी का सार्वजनिक जीवन, सादगी, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि डॉ. जोशी ने शिक्षा, विज्ञान और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए जो योगदान दिया है, वह भारतीय जनजीवन में सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार आज भी समाज को सकारात्मक दिशा देने और राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। अनिल धींवा ने इस अवसर को अपने जीवन का सौभाग्य बताते हुए कहा कि वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्तित्वों का मार्गदर्शन समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि डॉ. जोशी के अनुभव, दूरदर्शिता और वैचारिक नेतृत्व से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

देश की पहली वंदे भारत फ्रेट ईएमयू ने पास किया इमरजेंसी ब्रेकिंग टेस्ट, चार दौर में परखी गई क्षमता

कोटा मंडल में देश की पहली वंदे भारत प्लेटफॉर्म आधारित फ्रेट ईएमयू (सुपरफास्ट पार्सल रेक) का इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

देश की पहली वंदे भारत प्लेटफॉर्म आधारित फ्रेट ईएमयू (सुपरफास्ट पार्सल रेक) के तकनीकी परीक्षणों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के लबान-गुड़ला रेलखंड पर रेक का इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस (ईबीडी) परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। परीक्षण के दौरान सूखी और गीली दोनों प्रकार की पटरियों पर रेक की ब्रेकिंग क्षमता का आकलन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं जनसंपर्क अधिकारी सौरभ जैन ने बताया कि यह परीक्षण चार फेरों में किया गया। रेक में उपलब्ध तीनों इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम- लोको ब्रेक, ट्रेन ब्रेक और पुश बटन ब्रेक का अलग-अलग परिस्थितियों में परीक्षण किया गया। प्रत्येक परीक्षण में ब्रेक लगाए जाने के बिंदु से लेकर ट्रेन के पूरी तरह रुकने तक की दूरी का सटीक मापन किया गया, जिससे ब्रेकिंग प्रणाली की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह परीक्षण अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के तत्वावधान में किया जा रहा है। परीक्षण के दौरान आरडीएसओ के निदेशक (टेस्टिंग) अनन्जय मिश्रा, आईसीएफ चेन्नई के सहायक मंडल विद्युत इंजीनियर सुधांशु कुमार, मुख्य लोको निरीक्षक रामनिवास मीना, यातायात निरीक्षक महेंद्र सिंह मीणा सहित आरडीएसओ और आईसीएफ के तकनीकी विशेषज्ञ एवं लोको क्रू मौजूद रहे। बता दें कि कोटा मंडल में 29 जुलाई 2026 से देश की पहली वंदे भारत फ्रेट ईएमयू के विभिन्न तकनीकी परीक्षण किए जा रहे हैं। इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस परीक्षण की सफलता को रेक के परिचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

एक अन्य खबर में, बंबई हाई कोर्ट ने मंगलवार को मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर 13 किलोमीटर लंबी विद्युत लाइन के निर्माण के लिए मैंग्रोव के पेड़ों को काटने की अनुमति दे दी। अदालत ने कहा कि यह परियोजना 'राष्ट्रीय महत्व' की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने कहा कि पालघर जिले के दहानू से अंबरसेराई के बीच विद्युत लाइन बिछाने के लिए मैंग्रोव क्षेत्र के उपयोग में बदलाव और पेड़ों की कटाई के प्रस्ताव की सक्षम अधिकारियों ने जांच कर मंजूरी दे दी। पीठ ने कहा कि प्रस्तावित परियोजना स्थल से सैकड़ों किलोमीटर दूर सोलापुर जिले में प्रतिपूरक वनीकरण करना केवल आंकड़ों की औपचारिकता पूरी करता है, लेकिन इससे स्थानीय पारिस्थितिकी संतुलन बहाल करने में मदद नहीं मिलती। अदालत ने यह आदेश महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की याचिका पर दिया। कंपनी ने दहानू सब-स्टेशन से पालघर जिले में प्रस्तावित अंबरसेराई ट्रैक्शन सब-स्टेशन तक 132 किलोवाट विद्युत लाइन बिछाने के लिए मैंग्रोव के पेड़ों को काटने की अनुमति मांगी थी।

दिनदहाड़े महिला से चेन लूटने का वीडियो आया सामने, लोगों ने पीछा कर के एक को पकड़ा

राजस्थान के अजमेर जिले में चेन स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही है। इन घटनाओं ने आम लोगों में मन में खौफ पैदा कर दिया है। इस बीच सोमवार को कृष्णगंज थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक महिला से चेन लूटने का प्रयास किया गया। हालांकि, लोगों की सतर्कता के चलते एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया, जबकि उसका दूसरा साथी फरार होने में सफल रहा।

इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार जनता कॉलोनी, वैशाली नगर निवासी रेखा शर्मा ने कृष्णगंज थाने में एक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम करीब 3:30 बजे वह पैदल रिलायंस मॉल जा रही थीं। शाम करीब 4 बजे वैशाली नगर रोड स्थित तनिष्क ज्वैलर्स के पास पहुंचते ही बिना नंबर की काले रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनके गले से सोने की चेन झपटकर तोड़ ली और भागने लगे।

चेन स्नेचिंग के बाद महिला के शोर मचाने पर पीछे आ रहे बाइक सवारों और आसपास मौजूद लोगों ने दोनों का पीछा किया।

लोगों ने बाइक चालक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

तलाशी लेने पर आरोपी के बैग से मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट और एक जोड़ी कपड़े बरामद हुए। पिटाई के दौरान पीछे बैठा दूसरा आरोपी बाइक से कूदकर फरार हो गया जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। राजस्थान के अजमेर में हुई इस वारदात ने लोगों को डरा दिया है। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम कृष्णा तथा फरार साथी का नाम कुशल उर्फ कालू (निवासी- नागफणी) बताया।

कृष्णगंज थाना पुलिस ने इस पूरी घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, लगातार हो रही ऐसी वारदातों से शहरवासियों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

कृष्णगंज थाने के हेड कांस्टेबल प्रताप सिंह ने इस घटना को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि मामले में एक व्यक्ति को वहीं स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ लिया और उसका एक साथी फरार हो गया है। आरोपी कृष्णा को आज कोर्ट में पेश किया गया है।

बरेली में सीएम योगी को धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, बाद में लंगड़ाता हुआ दिखा

बरेली। बरेली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वीडियो में आरोपी हवालात से बाहर निकलते समय हाथ जोड़कर लंगड़ाता हुआ दिखाई दे रहा है। वह पुलिसकर्मियों से कहता सुनाई देता है, साहब गलती हो गई माफ कर दो। अब ऐसी गलती कभी नहीं होगी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई। उसके सोशल मीडिया अकाउंट भी खंगाले गए ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने इस तरह की पोस्ट क्यों की और उसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या संगठन तो नहीं है। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की भी जांच की। बताया जा रहा है कि बरेली के भोजीपुरा थाना इलाके के पिपरिया रोड स्थित मार्डन विलेज के रहने वाले अनिल कुमार ने यह धमकी दी थी। लखनऊ स्थित डायल 112 मुख्यालय से भोजीपुरा पुलिस को इसकी सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। दारोगा सुशील कुमार ने अनिल को फोन किया। अनिल ने उन्हें भी निलंबित करने की धमकी दी थी। इतना ही नहीं वह पुलिस को अपना गलत पता बताकर लगातार गुमराह करता रहा। पुलिस के अनुसार आरोपी अनिल कुमार ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणी की थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हुई और आरोपी को पुरानी लोको कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415